बर्षः- 06
अंकः- 115
मुरादाबाद
(Friday)
14 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संसद का मानसून सत्र समाप्तः लोकसभा में 12 विधेयक पारित हुए, 39 फीसदी हुआ कामकाज

संसद के मानसून सत्र का समापन गुरुवार को हो गया है। 19 दिन चले मानसून सत्र के दौरान हंगामे और नारेबाजी के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई। मानसून सत्र के समापन के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया को संबोधित करते हुए क्या कहासंसद का मानसून सत्र खत्म होने के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र आज खत्म हो गया। रिजिजू ने बताया कि मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा की कुल कामकाज 39 फीसदी

रहा। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में विपक्षी दलों के सांसद हंगामा करते थे। कई बार वे सदन से बाहर भी चले जाते थे। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के दूसरे ज्यादातर दलों के सांसद और कुछ विपक्षी दलों के सांसद बहस और चर्चा में शामिल हुए। रिजिजू ने बताया कि मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा की कुल उत्पादकता 39 फीसदी रही। वहीं, लोकसभा की उत्पादकता सिर्फ 19 फीसदी रही। रिजिजू ने बताया कि लोकसभा में 12 विधेयक पारित किए गए, सिर्फ एक विधेयक पर चर्चा की गई, जबकि राज्यसभा में सभी विधेयकों पर चर्चा की गई। रिजिजू ने कहा कि लोकसभा में इस सत्र के दौरान केवल एक विधेयक पर पूरी तरह चर्चा हो सकी। यह विधेयक सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक और दूसरे अनुचित तरीकों को रोकने से जुड़ा लोक परीक्षा (अनुचित तरीकों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 था। इस संशोधन विधेयक का मकसद पेपर लीक, परीक्षा में संगठित नकल और अन्य गड़बड़ियों के खिलाफ कानूनी प्रावधानों को और सख्त करना है।

यह 2024 के मौजूदा कानून में संशोधन करता है। संसद ने जुलाई के आखिर में इस विधेयक को मंजूरी दी थी।पहली बार विपक्ष को चर्चा से भागते देखा रिजिजू ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि अपने संसदीय अनुभव में उन्होंने पहली बार विपक्ष को चर्चा से बचते हुए देखा। उनका आरोप था कि सरकार अहम मुद्दों और विधेयकों पर चर्चा के लिए तैयार थी, लेकिन लगातार हंगामे के कारण सदन का काफी समय बर्बाद हुआ।उन्होंने कहा कि सरकार सत्र को दो नजरिये से देखती है। विधायी कामकाज के लिहाज से 12 विधेयकों का पारित होना उपलब्धि है। लेकिन बहस और चर्चा के लिए उपलब्ध समय का अपेक्षित इस्तेमाल नहीं हो सका। पेपर लीक पर कानून में सख्त प्रावधान- उन्होंने कहा, लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 में परीक्षा में अनुचित साधनों के इस्तेमाल के खिलाफ सजा को और सख्त करने का प्रावधान किया गया है। इसमें कुछ अपराधों के लिए न्यूनतम पांच साल से लेकर अधिकतम 10 साल तक की सजा और अधिक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। रिजिजू ने कहा कि देश के कई राज्यों में पेपर लीक, प्रश्नपत्रों को अवैध तरीके से हासिल करने और उन्हें बेचने-खरीदने जैसी घटनाएं सामने आई हैं। इसी तरह की गड़बड़ियों पर प्रभावी तरीके से रोक लगाने के लिए कानून को और मजबूत किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

आय से अधिक संपत्ति मामला: शीर्ष कोर्ट पहुंचे राहुल गांधी, इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को दी चुनौती

राहुल गांधी ने आय से अधिक संपत्ति के आरोपों पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। हाईकोर्ट ने सीबीआई और ईडी को आरोपों की जांच का निर्देश दिया था। अब सुप्रीम कोर्ट में 17 अगस्त को सुनवाई की संभावना है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उन आदेशों को चुनौती दी है, जिनमें केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को उनके खिलाफ लगाए गए आय से अधिक संपत्ति के आरोपों की जांच करने को कहा गया था।ये आरोप भाजपा के एक कार्यकर्ता ने लगाए हैं। आरोप है कि राहुल गांधी के पास उनकी आय के मुकाबले ज्यादा संपत्ति है। राहुल गांधी पर किसने लगाए आरोप?- लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, कर्नाटक के रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता विग्नेश शिशिर की शिकायत पर कोर्ट ने सीबीआई और ईडी को जांच करने को कहा गया था। हाईकोर्ट ने मई में दिए अपने आदेश में कहा था कि अगर याचिकाकर्ता की शिकायत मिली है, तो उसमें लगाए गए आरोपों की कानून के मुताबिक जांच की जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा था कि सीबीआई या ईडी कानून के तहत जो भी जरूरी कदम उठा सकते हैं, वे उठा सकते हैं।हाईकोर्ट ने सीबीआई के हलफनामे पर क्यों जताई नाराजगी? इसके बाद हाईकोर्ट ने दोनों जांच एजेंसियों को जांच में हुई प्रगति की जानकारी कोर्ट को देने का निर्देश दिया था।

मायावती ने पूर्व मंत्री अंटू मिश्रा को बसपा से निकाला, पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप

बसपा सुप्रीमो मायावती ने पूर्व मंत्री अनंत कुमार मिश्रा को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में बसपा से निष्कासित कर दिया है। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने बसपा सरकार के दौरान स्वास्थ्य मंत्री रहे अनंत कुमार मिश्रा उर्फ अंटू मिश्रा को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। उन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप थे। इसकी जानकारी खुद मायावती ने एक्स पर दी। जारी किए गए बयान में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बीएसपी सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे अनन्त कुमार मिश्रा उर्फ अन्टू मिश्रा को उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों आदि के फलस्वरूप आज तत्काल

प्रभाव से उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि वैसे भी अब जबकि खासकर उत्तर प्रदेश में चुनावी माहौल काफी गरमाया हुआ है, पार्टी के सभी स्तर के लोगों को विरोधियों के सभी प्रकार के साम, दाम, दण्ड, भेद आदि हथकंडों से सावधान रहते हुये अपनी पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ बीएसपी के अम्बेडकरवादी मिशन को आगामी विधानसभा आमचुनाव में सफल बनाने में पूरे जी-जान से लगे रहना है, यही संदेश व अपील भी है। अशोक सिद्धार्थ और रणधीर बेनीवाल को भी किया निष्कासित

इसके पहले, मायावती ने अपने समधी यानी आकाश आनंद के ससुर एवं पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ और पार्टी नेता रणधीर सिंह बेनीवाल को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। साथ ही स्पष्ट किया है कि भविष्य में किसी भी स्थिति में अब दोनों की पार्टी में वापसी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं पर अनुशासनहीनता और पार्टी के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन के आरोप लगातार सामने आ रहे थे।

'सवाल पूछते हैं, जवाब नहीं सुनते': संसद में हो रहे विरोध पर कंगना का राहुल पर हमला, कहा- ये कैसा व्यवहार है?

कंगना रनौत ने संसद में विपक्ष के हंगामे और राहुल गांधी के रवैये की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष सरकार से जवाब मांगता है, लेकिन चर्चा नहीं होने देता। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है।

भाजपा सांसद कंगना रनौत ने गुरुवार को संसद में विपक्ष के लगातार विरोध-प्रदर्शन की आलोचना की। उन्होंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वे सरकार से जवाब तो मांगते हैं, लेकिन साथ ही चर्चा होने भी नहीं देते। कंगना ने क्या कहा? - रनौत ने कहा, यह बेहद आपत्तिजनक है। उन्होंने यहां का माहौल पूरी तरह से खराब कर दिया है। हालात दिन-ब-दिन बिगड़ते जा रहे हैं। छात्रों के विरोध-प्रदर्शन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बयान की मांग को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध के बीच उनकी

ये टिप्पणी आई है। विपक्ष दिल्ली में विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को लेकर सरकार से जवाब मांग रहा है। वहीं, सरकार का कहना है कि इस मामले पर संसद में चर्चा हो सकती है। बुधवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि अमित शाह छात्र विरोध-प्रदर्शन पर चर्चा में भाग लेने और विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों का जवाब देने के लिए तैयार हैं। कंगना ने विपक्ष से क्या सवाल किया? रनौत ने विपक्ष के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा, एक तरफ राहुल गांधी गृह मंत्रालय से सवाल पूछते हैं, फिर भी वे कहते हैं कि वे गृह मंत्रालय को बोलने नहीं देंगे। यह कैसा व्यवहार है? वे चर्चा की मांग करते हैं, लेकिन जब मौका दिया जाता है, तो वे कहते हैं कि उन्हें जवाब नहीं चाहिए। बता दें कि अमित शाह ने विपक्ष की ओर से उठाए गए सवालों पर विस्तार से चर्चा करने और उनका जवाब देने की पेशकश की थी। हालांकि, राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष गृह मंत्री का भाषण सुनने में दिलचस्पी नहीं रखता, बल्कि वह यह जानना चाहता है कि छात्रों के खिलाफ कथित बल प्रयोग का आदेश किसने दिया था। विपक्ष पर क्या आरोप लगाया? रनौत ने विपक्ष पर ठोस मुद्दों की कमी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, %इसका मतलब है कि उनके पास कोई असली मुद्दा नहीं है। विपक्ष के पास किसी भी ठोस मुद्दे की कमी है। विकास, देश की तरक्की, अर्थव्यवस्था या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर बात करने के लिए कुछ न बचा होने के कारण, वे बस यहां नौटंकी कर रहे हैं।

एक नेता के अहंकार और अनुशासनहीनता की भेंट चढ़ गया मानसून सत्र, भाजपा का राहुल गांधी पर हमला

संसद का मानसून सत्र गुरुवार को समाप्त हुआ। इसके बाद से सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं ने एक-दूसरे पर संसद न चलने देने के आरोप लगाने शुरू कर दिए हैं। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष पर हमले किए। पटना से सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, मानसून सत्र एक नेता के अहंकार, अनुशासनहीनता और उदंडता की भेंट चढ़ गया। ये बात मैं पूरी जिम्मेदारी से कह रहा हूं। सदन शुरू हुआ तो राहुल गांधी अपनी बहन (सांसद प्रियंका गांधी) के साथ बिना अनुमति लिए प्रधानमंत्री के निवास के गेट पर बैठ गए। राहुल गांधी कोई साधारण व्यक्ति नहीं हैं। उनके पिता, दादी, परनाना प्रधानमंत्री रहे हैं, तो प्रधानमंत्री निवास की क्या पवित्रता होती

है, उन्हें मालूम है। सुरक्षा पर इसका असर होता है, ये भी उन्हें मालूम है। जाके वहां बैठ गए। भाजपा नेता ने आगे कहा, जब गृह सचिव वहां गए और केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह वहां गए तो बातचीत हुई, तो उन्होंने कहा कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। बातचीत के लिए तैयार हैं। जब उन्होंने (पीएम मोदी) कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है, तो उन्होंने कहा कि हमें (शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का) इस्तीफा चाहिए। उन्होंने राहुल गांधी पर अपने गोल पोस्ट बदलने का आरोप लगाया।

वहीं, भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने भी संसद का कामकाज बाधित होने को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा, मैंने सुबह भी यह बात कही थी और अब फिर कह रहा हूं। एक अहंकारी और जिद्दी नेता की वजह से पूरा महीना मजाक बनकर रह गया। उन्होंने संसद में बंदर लाने को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, वे संसद में बंदर ला रहे हैं। क्या यह बंदरों की टीम है? क्या वे मनोरंजन करने वाले हैं? कांग्रेस को इतनी गिरावट पर शर्म आनी चाहिए। गिरिराज सिंह ने कहा कि कोई भी सांसद मनोरंजन करने वाला नहीं हो सकता। लेकिन कांग्रेस ने संसद में बंदर लाकर सारी हदें पार कर दी हैं। कांग्रेस ने पलटवार किया- वहीं, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, मैंने संसद के कई सत्र देखे हैं। लेकिन ऐसा सत्र कभी नहीं देखा, जिसमें सत्तारूढ़ सरकार डरी और सहमी हुई नजर आई हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पूरे सत्र के दौरान सदन में मौजूद नहीं रहे।

लोकतंत्र में ऐसा नहीं होना चाहिएः उत्तराखंड में मंच शुद्धिकरण से खरगे दुखी, नड्डा बोले- हम जांच करेंगे

राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खरगे ने हल्द्वानी में उनके भाषण के बाद रामलीला मंच के शुद्धिकरण पर सवाल उठाया। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए दुखद बताया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि भाजपा ऐसी गतिविधियों का समर्थन नहीं करती और मामले की जांच कराई जाएगी।राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को भाजपा पर हमला बोला। दरअसल, उन्होंने हल्द्वानी के रामलीला मैदान में जनसभा किया था। इसके बाद

भाजपा के लोगों ने उस मंच का शुद्धिकरण किया। इस पर खरगे ने सरकार से सवाल पूछा कि क्या लोकतंत्र में ऐसा होना चाहिए था। वहीं, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने इस मामले को दुखद बताया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच होगी। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने क्या कहा? वहीं, सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को जवाब दिया।

उन्होंने कहा,'खरगे जी ने जो कहा, वह वाकई दुखद है, न सिर्फ कांग्रेस पार्टी के लिए, बल्कि हम सभी के लिए के लिए यह दुखद है।%खरगे ने क्या कहा? खरगे ने राज्यसभा में कहा,' मुझे यह कहते हुए बहुत दुख हो रहा है। मैंने हल्द्वानी के रामलीला मैदान में रामलीला मंच से एक जनसभा को संबोधित किया था, जहां लाखों लोग मौजूद थे। उस समय मैंने किसी समुदाय या धर्म का नाम नहीं लिया। मैंने केवल वहां के लोगों की समस्याओं के बारे में बात की। लेकिन मेरे भाषण के बाद, कल भाजपा के लोगों ने सामूहिक रूप से हवन किया और उस मंच का शुद्धिकरण किया। आपने भी इसके बारे में अखबारों में पढ़ा होगा। क्या लोकतंत्र में चीजें इसी तरह होनी चाहिए?' मामले की जांच होगी उन्होंने आगे कहा कि लेकिन हम इसकी जांच करेंगे। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि वहां जो कुछ भी हुआ, उसकी निश्चित रूप से जांच की जाएगी। लेकिन मैं यह साफ करना चाहता हूं कि भाजपा ऐसी गतिविधियों का समर्थन नहीं करती है। मैं इसकी निंदा करता हूं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष इस मामले को देखेंगे। यह हम सभी के लिए बहुत खेद की बात है कि आपकी भावनाएं आहत हुईं। प्रियंका ने सरकार से क्या मांग की? - वहीं, इस मामले पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, यह सोच साफ तौर पर भाजपा और आरएसएस की विचारधारा को दिखाती है। इसे खारिज किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री को इसकी निंदा करनी चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, गृह मंत्री आज सिर्फ %वंदे मातरम% गाने आए हैं। पूरा सत्र हो गया, न तो प्रधानमंत्री और न ही गृह मंत्री इसमें शामिल हुए। ऐसे में यह लोकतंत्र और यह संसद कैसे काम कर सकती है? दरअसल, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आठ अगस्त को हल्द्वानी में विजय शंखनाद रैली की। इसके बाद विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने रामलीला मैदान में हवन-यज्ञ व गंगाजल छिड़काव कर शुद्धिकरण किया।

संपादकीय Editorial

For Financial Oversight

Himachal Pradesh is now shifting its position in the face of reforms. A draft to establish a State Finance Corporation to oversee public sector undertakings has been approved. This means that all public sector undertakings will be able to manage financial discipline, their accounting, and transactions under this corporation. Currently, all public sector undertakings have been clients of different banking systems, with their own financial arrangements. However, the formation of the proposed corporation will create a single financial bank for the entire financial system. Clearly, such a cost-effective measure will foster a disciplined system, while establishing a consistent pattern, accountability, and transparency in the financial transactions of the 23 undertakings. This could be an attempt to mend a shaky foundation and strengthen the state's economic structure. Certain practices, which are being carried out covertly, are also responsible for the losses of public sector undertakings. Consequently, the profit and loss accounts are constantly circulating under various banks, each operating in its own way. The operation of a centralized financial corporation could foster a healthy tradition of reporting, monitoring, and accounting.

This appears necessary because 13 out of 23 enterprises are operating in losses, and this would foster new accountability by taking into account the efforts of profit-making corporation boards. Reflecting a similar demand for systemic change in the state, the governmentalization of many temples also necessitates revision of financial regulations. Currently, the accounts of temple income and expenditure are maintained separately, and different temple trusts operate according to their own discretion. This has led to arbitrary accounting and budgeting processes. Questions about the future of religious towns from temple income remain unanswered. Although the Dhumal government formed a committee headed by K.C. Sharma (IAS) to manage temples, no action has been taken on either structural or financial reforms. In fact, just as the government finance company is making promises in line with financial reforms for public enterprises, the formation of a centralized trust or Temple Development Authority is necessary to oversee the financial, administrative, developmental, and budgetary systems of government-owned temples, ensuring uniformity in expenditures, stability within a common cadre, and establishing models for development. A long-term vision for temple development will also increase temple income. If Vaishno Devi, Shirdi Baba, or the temples of the South are each generating incomes of two to two and a half thousand crore rupees, then half a dozen of our major temples could collectively reach incomes of five thousand crore rupees. Similarly, if a government Real Estate Management Authority is established for public buildings and employee housing, the properties can be utilized more efficiently and economically.

On the pretext of the Kannada film Mithya: A journey to a national award and an art journey that reaches suffering

The jury saw five outstanding films, including Fauzia Mirza's "The Queen of My Dreams," Sumant Bhatt's "Mithya," Kamil Sheikh's "The Investigator," Sunil Sukthankar's "Outhouse," and Wendy Bednarz's "Yellow Bus" for Best Screenplay. In a multilingual country, when Indian cinema is discussed, only Hindi cinema is discussed. Films in other languages ??are often relegated to the category of regional cinema. Isn't Hindi also a regional language in India? Even though it is spoken and understood in more than one state. Hindi audiences rarely watch films in other Indian languages. Nowadays, with the availability of dubbing and subtitles, this trend has changed slightly. While winning a film a National Award does increase its viewership, it does increase its audience, but only marginally. Many good films don't reach the audience for various reasons. Yes, if you're associated with a film festival, you get to see some good films. Being on several national and international film juries has given me the opportunity to see some good films. One such opportunity came while I was on a film festival jury in 2024. Christopher Dalton, a cine critic, cine editor, artistic director and former member of various juries, founded The House of Illusions Film Studio with the primary objective of bringing forward talent in the film industry and inspiring them to make good cinema. To this end, he works with several organizations. As a jury member for The House of Illusions at FCCI, IFF Cinci (Indian Film Festival of Cincinnati, USA), I saw many good films. Along with me on this 2024 jury was documentary director, multi-award winning Prof. Anjali Monteiro and film critic and film podcaster Amartya Acharya were also present. The jury watched five films which were shortlisted for the Best Screenplay including Fauzia Mirza's 'The Queen of My Dreams', Sumant Bhatt's 'Mithya', Kamil Sheikh's 'The Investigator', Sunil Sukthankar's 'Outhouse' and Wendy Bednarz's 'Yellow Bus'. It was a big challenge for the jury to choose the best screenplay writer from the five films which were shortlisted for the Best Screenplay Film Competition.

The jury unanimously found the screenplay of Sumant Bhatt's film 'Mithya' (Sumant Bhatt) to be the best. Describing the film, it said, "It is a poignant journey of self-discovery and self-recovery for 11-year-old Mithun, a journey he undertakes through challenging circumstances after his world is destroyed." Vijay Sharma, choosing the film's screenplay as the best (4.8/5), wrote in his recommendation, "Screenplay writer Sumanth Bhat understands child psychology well. A child is in tragedy and stress. His father has passed away, and his mother has committed suicide. The child's shock, trauma, questions, reactions, anger, grief, his confusion, silent search, and rebellion are all portrayed very well. The writer makes no judgments. Although the child is only eleven years old, his coming of age is well depicted."

If you try to find information about this film online, you will find very little. The 97-minute Kannada film "Mithya" also won the awards for Best Film, Best Director (Sumanth Bhat), and Best Actor (Aatish Shetty) at this festival. And now, it's a joy to note that it has also received three awards at the 72nd National Film Awards. Produced by Rakshit Shetty and directed by Sumanth Bhat, "Mithya" was named the Best Kannada Film of 2024. It also received the Best Child Artist (Athish S. Shetty) and Best Supporting Actress (Roopa Varkadi) awards.

In addition to "Mithya" (his directorial debut), Sumanth Bhat has also directed "Shankarabharana" and "Ekam." Sumanth Bhat co-wrote the screenplay for "Shankarabharana" with Shine Shetty and Trilok Trivikram. "Ekam," a TV serial, has six episodes. Sumanth wrote the screenplay and dialogues for three episodes.

When "Mithya" was awarded, its producer Rakshit Shetty wrote on his Instagram, "Dreams are beautiful." But for a story you believe in to find a place in people's hearts, and now in Indian cinema history, is quite another. Stories told with honesty never go unnoticed.

It premiered at the 2023 MAMI Mumbai Film Festival. On the announcement of Roopa Varkadi winning the National Award in the Supporting Actor category, director Sumant Bhatt said, "When they announced the Supporting Actor category, I jumped with joy. Roopa ma'am was fantastic. Supporting actors are the backbone of any film."Film - Mithya - Child actor Aatish Shetty brings to life the loneliness of Mithya (Mithun). Cinematographer Udit Khurana uses wide frames to capture Mithya's desolate emotions, especially when he's on the vast beach. Numerous close-ups of Mithya capture his emotions as the child tries to adjust to his new environment. A contrast between Mumbai and a quiet town like Udupi in Karnataka. The language barrier.For a child who has lost his Marathi friends, adjusting to a Kannada-medium school isn't easy. On the other hand, he hears all sorts of comments from adults about his parents. Adults often ignore the child present in the environment while talking. The child listens, even if he doesn't fully understand. Mithya's mind is filled with conflicting emotions, and he is disinterested in the world. Adults often believe that childhood s romantic. In Udupi, he lives with his uncle, aunt (Roopa Varkadi), and cousins. His relationship with his younger sister, Vandana, is a mix of love, jealousy, and hatred. The screenplay beautifully develops the child's emotions and the storm raging within him. Along with sound, silence plays a significant role in the film. Silence is used in many places in this film, giving it a heightened feel. The screenplay, acting, camera, and background music play an important role in conveying emotions to the audience. The music for 'Mithya' is by Mithun Mukundan. Very few good films are made on children. 'Mithya' is one of them.

Another student movement: The education and examination system is deeply entrenched in disease; a need to be free of malpractices beyond accusations and counter-accusations.

The reverberations of the Jantar Mantar Gen G movement against irregularities in recruitment exams have barely died down, and now the student movement in Ranchi against irregularities in recruitment exams is another sign of the deeply entrenched disease in the country's education and examination system, which is no longer a problem confined to a single state. The reverberations of the Jan G movement against the NEET (UG) paper leak at Jantar Mantar in New Delhi have barely died down, and now the student movement in Ranchi, the capital of Jharkhand, against paper leaks,

tampering of OMR sheets, and malpractices in the JPSC and JSSC recruitment exams has rapidly attracted public attention, highlighting the dire state of the education and examination system. The only difference is that this time, the target is not the central government, but the state government of Hemant Soren.

It is worth noting that for the past several days, some students have been on an indefinite strike and hunger strike at the Jaipal Singh Munda Stadium in Ranchi. Students are demanding that the persistent paper leaks and corruption in competitive examinations be stopped, that recruitment scams be monitored by retired High Court judges, that the selection system be digital and transparent, that strict action be taken against erring officials, and that the entire matter be investigated by the CBI and ED. Chief Minister Hemant Soren has assured the students of a fair investigation and justice and has invited

student representatives for talks. The movement has garnered support from several political, social, and student organizations, as well as Sonam Wangchuk, the face of the Jantar Mantar protest, which has increased moral pressure on the Hemant Soren government and has put it on the back foot.

The protests now unfolding on the streets of Ranchi, following Jantar Mantar, are a symptom of a deeply entrenched malaise within the country's education system. Rising unemployment and a lack of qualified jobs among youth across the country have fueled frustration with the system. This is not a problem confined to a single state; complaints of such malpractices have been heard consistently across various states for the past few years. Protests are underway in Punjab against paper leaks and rigging in the Pharmacy Officer Recruitment Examination, where students are taking to the streets to express their anger against the government. The political aspect of these protests is equally important. If support for student protests in one state and silence on the same issues in others is determined by political expediency, it will only weaken the moral credibility of political parties. Education is a subject on the Concurrent List, so the central and state governments, and all political parties, should move beyond political accusations and counter-accusations to ensure a clean and rigged education and examination system in the interest of the country's students and youth.

मुरादाबाद में बिखरे देशभक्ति के रंग: तिरंगा यात्रा से मां तुझे प्रणाम का आगाज, हर ओर गूंजे भारत मां के जयघोष

स्वतंत्रता दिवस से पहले मुरादाबाद में नगर निगम की तरफ से मां तुझे प्रणाम तिरंगा यात्रा निकाली गई। इंपीरियल तिराहे से शुरू यात्रा में छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट-गाइड्स, सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और शहरवासियों ने उत्साह से हिस्सा लिया। स्वतंत्रता दिवस से पहले मुरादाबाद देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। हाथों में तिरंगा, होठों पर भारत माता के जयघोष और दिल में राष्ट्रप्रेम का जज्बा लिए सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे। इंपीरियल तिराहे से शुरू हुई यात्रा जिस रास्ते से गुजरी, वहां राष्ट्रभक्ति का ऐसा माहौल बना कि शहर की सड़कें तिरंगे के रंग में रंगी नजर आईं। छात्रों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई उत्साह से कदमताल करता दिखा।

सुबह नौ बजे इंपीरियल तिराहा (बुध बाजार) पर लोगों का जुटना शुरू हो गया था। कुछ ही देर में पूरा बुध बाजार देशभक्ति के नारों से गूंजने लगा। चित्रगुप्त इंटर कॉलेज, आरएन इंटर कॉलेज, मैथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज, महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज, केसीएम स्कूल, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, गुरुकुल इंस्टीट्यूट आदि शिक्षण संस्थानों के स्कूली छात्र-छात्राएं हाथों में तिरंगा लिए कतारबद्ध खड़े थे। नौवीं यूपी गर्ल्स बटालियन, 24वीं यूपी बटालियन, 23वीं यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स व स्काउट-गाइड्स अनुशासन और जोश के साथ यात्रा में शामिल हुए। सिविल डिफेंस के प्रतिनिधि, व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी, सामाजिक संस्थाओं के कार्यकर्ता, प्रशासनिक अधिकारी और शहरवासी भी बड़ी संख्या में पहुंचे।

तिरंगा फहराकर रवाना की यात्रा- मुरादाबाद के मेयर विनोद अग्रवाल और जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने संयुक्त रूप से तिरंगा फहराया। इसके बाद हरी झंडी दिखाकर तिरंगा यात्रा को रवाना किया गया। बच्चे छोटे-छोटे राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए आगे बढ़ रहे थे तो युवाओं में भी गजब का जोश दिखा। इंपीरियल तिराहा से निकली यात्रा बुध बाजार, जीएमडी रोड, ताड़ीखाना चौक, गुरहट्टी चौराहा, जैन चौक, एकता द्वार और कंपनी बाग चौराहा होते हुए आगे बढ़ी। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। सामाजिक और व्यापारिक संगठनों की ओर से पुष्प वर्षा की गई। सड़क किनारे खड़े लोगों ने भी तिरंगा लहराकर उत्साह बढ़ाया। रास्ते में कई जगह लोग छतों से भी यात्रा को निहारते दिखे। नगर निगम की झांकियों ने लोगों को दिया स्वच्छता का संदेश- तिरंगा यात्रा में नगर निगम की विभिन्न झांकियों ने लोगों को स्वच्छता और गो सेवा का संदेश दिया। सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने, प्लास्टिक को रिसाइकिल करने, गीला और सूखा कचरा अलग-अलग कूड़ेदान में डालने का संदेश दिया। कान्हा गोशाला की झांकी ने गायों के संरक्षण के प्रति नगर निगम की प्रतिबद्धता को दर्शाया। इसके अलावा भारत माता की झांकी ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार सिंह, प्रवर्तन दल के प्रभारी अविनाश कुमार गौतम, टीम लीडर राकेश कुमार, नईम हैदर, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, पर्यावरण अभियंता अभिषेक कुमार आदि मौजूद रहे। डीएम पूरी यात्रा में रहे साथ, बोले- राष्ट्र प्रथम का संदेश देती है तिरंगा यात्रा- जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया बुध बाजार से पंचायत भवन तक पूरी यात्रा में साथ रहे। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा केवल उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि हम सभी भारत के नागरिक हैं और हमें राष्ट्र सर्वोपरि तथा राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए। तिरंगा यात्रा एकता और राष्ट्र प्रथम का संदेश देती है। मेयर विनोद अग्रवाल ने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को नमन करने के साथ ही महिला सशक्तीकरण, स्वच्छता और नए भारत के निर्माण का संदेश दिया जा रहा है। 2047 में आजादी के सौ वर्ष पूरे होने पर भारत कैसा होगा, इसकी नींव आज की सोच और संकल्प से ही रखी जा रही है। पंचायत भवन में हुआ समापन- करीब ढाई घंटे तक शहर की सड़कों पर देशभक्ति का संदेश देने के बाद तिरंगा यात्रा सुबह 11:30 बजे पंचायत भवन पहुंची। यहां यात्रा का समापन हुआ। प्रतिभागियों ने राष्ट्रहित में अपने दायित्व निभाने का संकल्प लिया।

मुरादाबाद में हादसा: बाइकों की टक्कर के बाद सड़क पर गिरे फर्मकर्मी, तेज रफ्तार डंपर ने कुचला, दोनों की मौत

मूंढापांडे में लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर एयरपोर्ट भदासना के पास दो बाइकों की टक्कर के बाद सड़क पर गिरे फर्मकर्मियों को तेज रफ्तार डंपर ने कुचल दिया। हादसे में खेमपाल और सौरभ की मौत हो गई। डंपर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर एयरपोर्ट के पास बुधवार को दो बाइकों की टक्कर के बाद सड़क पर गिरे तीन फर्मकर्मियों को तेज रफ्तार डंपर ने कुचल दिया। हादसे में खेमपाल (25) और सौरभ (25) की मौके पर ही मौत जबकि उनके साथी सूरज और दूसरी बाइक सवार रहमत घायल हो गए। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। रजौड़ा कन्नरदेव निवासी खेमपाल, सौरभ और सूरज बाइक से रामपुर दोराहे स्थित आरएच फर्म में ड्यूटी के लिए जा रहे थे। एयरपोर्ट भदासना के पास पहुंचने पर दौलारी की ओर से आ रही दूसरी बाइक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से खेमपाल और सौरभ सड़क पर गिर गए। इसी दौरान रामपुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने दोनों को कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, सूरज और दूसरी बाइक सवार दौलारी निवासी रहमत घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। डंपर चालक न छोड़कर मौके से फरार हो गया। थाना प्रभारी मोहित ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। डंपर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है।

दिल्ली हाईवे पर बड़े वाहनों की आवाजाही से बढ़ी सहूलियत

■ मंडी में पहुंचने लगे सब्जी और फल, दुग्ध वाहन, स्कूल बसों के सुचारू आवागमन से पटरी पर लौट रहा जनजीवन

मुरादाबाद में कांवड़ यात्रा के बाद दिल्ली हाईवे पर बड़े वाहनों का आवागमन शुरू हो गया है। हालांकि कल से वीकेंड पर हाईवे फिर बंद किया जाएगा।सावन में कांवड़ यात्रा के चलते हाईवे पर रुट डायवर्जन के चलते बड़े वाहनों की आवाजाही रोकने से यातायात थम गया था। वैकिल्पिक मार्गों से बड़े व भारी वाहनों के भेजे जाने से शहर में दैनिक जरूरत की सामग्री लेकर वाहनों में अड़चन से जनजीवन प्रभावित हो रहा था। मंगलवार की दोपहर के बाद दिल्ली हाईवे पर बड़े वाहनों का आवागमन खोलने से सहूलियत मिली। सब्जी और फलमंडी में भी बुधवार को वाहन सामान लेकर पहुंचे, जिससे मंडी में चहल-पहल रही। सावन में चल रही कांवड़ यात्रा के चलते छोटे-बड़े वाहनों की आवाजाही हाईवे पर रोक दिया गया था। इससे दिल्ली रोड पर बड़े वाहनों को पूरी तरह रोक देने से शहर में दैनिक जरूरत सामग्री लेकर आने वाले वाहनों के पहिए थमने से सब्जी, फलों, दूध की आवक कम होने से बाजार पर असर पड़ रहा था। मांग के अनुरूप आवक न होने से सब्जियों व फलों की कीमतें भी बढ़ने लगीं। मंगलवार को शिवतेरस का दिन दोपहर बाद दिल्ली रोड पर बड़े वाहनों को रवाना करने से सुबह तक यातायात काफी हद तक सामान्य हो गया है। हालांकि कांठ रोड पर अभी भी कई जगह बैरिकेडिंग कर वाहनों को नियंत्रित रूप से चलाया जा रहा है।हरथला सब्जी मंडी के सामने बैरिकेड करने से आसपास की कॉलोनियों के लोगों को लंबा चक्कर काटकर आना पड़ रहा था। बुधवार सुबह सब्जी मंडी के सामने का बैरिकेड खुलने से सब्जी विक्रेताओं को मझोला मंडी से सामान लेकर आने में आसानी हुई। हरथला स्टेशन रोड की तरह जाने वाले वाहनों की आवाजाही भी सामान्य हो गई। अन्यथा उन्हें किला तिराहा से लौटकर वापस आना पड़ता था। स्कूली वाहनों के भी घूमकर आने से अभिभावकों को परेशानी उठानी पड़ती थी। छात्र-छात्राओं की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही थी। हालांकि आशियाना मुख्य मार्ग के सामने कांठ रोड पर अभी भी पुलिस ने बैरिकेड नहीं हटाया है जिससे कॉलोनी के निजी अस्पतालों में मरीजों को लेकर आने वाले एंबुलेंस अभी भी भटक रहे हैं। कॉलोनी वालों को भी परेशानी हो रही है। लोगों ने पुलिस कर्मियों की मनमानी पर नाराजगी जताई। हालांकि हरिद्वार से गंगाजल लेकर कांवड़िये की संख्या काफी कम हो गई है। वीकेंड पर फिर कांवड़ियों की संख्या हाईवे पर बढ़ेगी।

तेज धूप और भीषण गर्मी में छूटे लोगों के पसीने, तीन डिग्री सेल्सियस बढ़ा तापमान

मुरादाबाद में सावन के महीने में चिलचिलाती धूप और उमस ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। तापमान 3 डिग्री बढ़कर 34.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है।सावन के महीने में तेज धूप ने लोगों के पसीने निकाल दिए। सुबह से लेकर शाम तक तेज धूप ने लोगों को बेचैन कर दिया। तपिश के चलते बुधवार को लोगों को मुश्किलें हुईं। पूरे दिन लोगों को एयर कंडीशनर, कूलर, पंखे चलाकर बिताना पड़ा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान दोनों बढ़ने से गर्मी बढ़ गई। मंगलवार को जहां कभी धूप तो कभी बादल छाए रहे, लेकिन बुधवार को सुबह से चटख धूप रही। दोपहर में सूरज की तपिश मानों झुलसाने पर आमादा थी। तेज धूप ने लोगों के पसीने निकाल दिए। दोपहर में घरों से निकले लोग छांव की तलाश करते रहे। प्यास बुझाकर राहत पाने के लिए लोगों ने नारियल पानी, कोल्ड ड्रिंक्स का सहारा लिया। सावन में बारिश कम होने से गर्मी और

उमस बरकरार है।बुधवार को अधिकतम तापमान मंगलवार की तुलना में तीन डिग्री बढ़कर 34.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। आर्द्रता 87 प्रतिशत रहा। वहीं उत्तराखंड के हरिद्वार में बारिश थमने व मैदानी इलाकों में बारिश न होने से नदियों का जलस्तर कम हो गया। रामगंगा नदी के तटवर्ती इलाकों में जलस्तर नीचे आने से पानी का दबाव कम हो गया। इससे तटीय इलाकों में रहने वालों को राहत मिली। 13 अगस्त को अधिकतम तापमान एक डिग्री सेल्सियस और बढ़कर 35 डिग्री के पार होने का अनुमान जताया गया है। 18 अगस्त तक का अनुमानित तापमान 13 अगस्त 35 डिग्री सेल्सियस26 डिग्री सेल्सियस- 14 अगस्त 32 डिग्री सेल्सियस24 डिग्री सेल्सियस 15 अगस्त 33 डिग्री सेल्सियस25 डिग्री सेल्सियस 16 अगस्त 34 डिग्री सेल्सियस25 डिग्री सेल्सियस 17 अगस्त 31 डिग्री सेल्सियस24 डिग्री सेल्सियस 18 अगस्त 32 डिग्री सेल्सियस24 डिग्री सेल्सियस

संक्षिप्त समाचार

तेंदुओं की दहशत से मिलेगी राहत: हस्तिनापुर में 3 महीने बाद शुरू होगा वेस्ट यूपी का पहला बड़ा रेस्क्यू सेंटर

मुरादाबाद और पश्चिमी यूपी में गन्ने के खेतों से रेस्क्यू किए गए तेंदुओं के लिए हस्तिनापुर में 25 क्षमता वाला नया वाइल्डलाइफ रेस्क्यू सेंटर 3 महीने में शुरू होने जा रहा है। जानिए कैसे यह सेंटर मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकेगा।गन्ने के खेतों में छिपकर ग्रामीणों में दहशत पैदा करने वाले तेंदुओं के खिलाफ अब वन विभाग को एक नया 'सुरक्षा कवच' मिलने जा रहा है। मेरठ के हस्तिनापुर में बन रहा वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर तीन महीने में शुरू हो जाएगा। इसके बाद मुरादाबाद, अमरोहा और बिजनौर समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में रेस्क्यू किए जाने वाले तेंदुओं को बार-बार जंगल में छोड़ने के बजाय हस्तिनापुर में रखने की सुविधा होगी। सेंटर में एक साथ करीब 25 तेंदुओं को रखने की क्षमता होगी। मुरादाबाद मंडल के वन संरक्षक आदर्श कुमार ने बताया कि सेंटर का निर्माण कार्य चल रहा है और तीन महीने में इसे चालू कर दिया जाएगा। सेंटर शुरू होने के बाद तेंदुओं के रेस्क्यू, उपचार, निगरानी और सुरक्षित रखने की व्यवस्था पहले से बेहतर हो सकेगी। रामगंगा खादर के गांवों में इन दिनों तेंदुए के आतंक ने ग्रामीणों की नींद हराम कर दी है। लालापुर पीपलसाना और मिलकपुर सेमली समेत पूरे रामगंगा के खादर इलाके

में तेंदुए की सक्रियता से ग्रामीण सहमे हुए हैं।कभी गन्ने के खेत से निकलता तेंदुआ दिखाई देता है तो कभी खेत में काम कर रहे किसान पर हमला कर देता है। बच्चों को स्कूल भेजने से लेकर किसानों के खेत जाने तक पर खतरा मंडरा रहा है। वन विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती तेंदुए को पकड़ने के बाद उसे सुरक्षित रखने की रही है। प्रभावित इलाकों में 20 से अधिक पिंजरे लगाए जा चुके हैं। निगरानी और सर्च अभियान भी चलाए जा रहे हैं। हाल ही में एक तेंदुआ पिंजरे में कैद हुआ तो ग्रामीणों ने राहत की सांस ली, लेकिन खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ।पकड़ो और छोड़ो... फिर लौट आता है तेंदुआ- अभी तक रेस्क्यू किए गए तेंदुओं को निर्धारित प्रक्रिया के तहत अमानगढ़ वन क्षेत्र में छोड़ने की व्यवस्था रही है। समस्या यह है कि तेंदुए को दूसरे स्थान पर छोड़ देने से उसके मैदानी इलाकों में लौटने की आशंका बनी रहती है। इससे एक इलाके की दहशत खत्म होने से पहले दूसरे गांव में तेंदुए की आहट सुनाई देने लगती है। अब हस्तिनापुर सेंटर इस 'पकड़ो और छोड़ो' व्यवस्था का विकल्प बनेगा। रेस्क्यू किए गए तेंदुओं को वहां सुरक्षित रखा जा सकेगा और उनकी निगरानी भी होगी। हस्तिनापुर रेस्क्यू सेंटर में करीब 25 तेंदुओं को रखने की क्षमता होगी। यहां सिर्फ तेंदुओं के लिए ही व्यवस्था नहीं होगी, बल्कि जरूरत पड़ने पर अन्य वन्यजीवों को भी रखा जा सकेगा। घायल वन्यजीवों के उपचार, निगरानी और पुनर्वास की सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। इस सेंटर से वन विभाग को तेंदुओं के व्यवहार और गतिविधियों को समझने में भी मदद मिलेगी। इससे भविष्य में रेस्क्यू अभियान और मानव-वन्यजीव संघर्ष को नियंत्रित करने की रणनीति बनाने में सहूलियत होगी। मुरादाबाद में रेस्क्यू किए गए दोनों तेंदुओं को प्रधान मुख्य वन संरक्षक से अनुमति मिलने के बाद इटावा रेस्क्यू सेंटर भेज दिया गया है। फिलहाल तेंदुओं को रखने के लिए दूसरे केंद्रों पर निर्भरता है। तीन महीने बाद हस्तिनापुर सेंटर शुरू होने पर पश्चिमी यूपी को अपना रेस्क्यू ठिकाना मिल जाएगा। जंगलों के सिकुड़ने और गन्ने के खेतों में तेंदुओं के बढ़ते ठिकानों के बीच यह सेंटर कितनी बड़ी राहत देगा, यह आने वाला समय बताएगा, लेकिन फिलहाल खादर के ग्रामीणों के लिए इतना जरूर है कि तेंदुआ पकड़े जाने के बाद उसे फिर उसी इलाके के आसपास छोड़ने की मजबूरी कम होगी। दोनों तेंदुए इटावा भेजे, हस्तिनापुर सेंटर शुरू होने का इंतजार-मुरादाबाद में पकड़े गए दोनों तेंदुओं को प्रधान मुख्य वन संरक्षक की अनुमति मिलने के बाद इटावा रेस्क्यू सेंटर भेज दिया गया है। रेस्क्यू के बाद तेंदुओं को सुरक्षित रखने की फिलहाल यही व्यवस्था है। अब वन विभाग की नजर मेरठ के हस्तिनापुर में बन रहे नए रेस्क्यू सेंटर पर है। वन संरक्षक आदर्श कुमार के अनुसार सेंटर तीन महीने में चालू हो जाएगा। इसमें करीब 25 तेंदुओं को रखने की क्षमता होगी। इसके शुरू होने के बाद मुरादाबाद समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों से पकड़े जाने वाले तेंदुओं को हस्तिनापुर में रखा जा सकेगा। इससे रेस्क्यू के बाद उन्हें दूसरे वन क्षेत्रों में छोड़ने की जरूरत कम होगी और तेंदुआ प्रभावित गांवों को राहत मिलने की उम्मीद है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सर्वोदय इंटर कॉलेज के छात्रों ने निकाली तिरंगा रैली, शहीद स्मारक पर हुआ समापन

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने और विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से सर्वोदय इंटर कॉलेज डिलारी के छात्र-छात्राओं ने गुरुवार को भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। विद्यालय परिसर से निकली तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ हिस्सा लिया। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। 13 अगस्त 2026 को सर्वोदय इंटर कॉलेज डिलारी के प्रांगण से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया गया। यात्रा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और आमजन के बीच देश के प्रति प्रेम, सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करना रहा। हाथों में तिरंगा लेकर कतारबद्ध होकर चल रहे छात्र-छात्राओं ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। यात्रा के दौरान वातावरण में देशभक्ति का उत्साह देखने को मिला।

तिरंगा यात्रा विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर डिलारी ब्लॉक के प्रांगण में स्थित शहीद स्मारक तक पहुंची। इस दौरान विद्यार्थियों ने अनुशासन के साथ यात्रा में भाग लिया। रास्ते में लोगों ने तिरंगा यात्रा को देखा और विद्यार्थियों के उत्साह की सराहना की। राष्ट्रीय ध्वज के साथ निकली इस यात्रा ने स्वतंत्रता दिवस से पहले क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल बना दिया।विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण कुमार के नेतृत्व में तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और स्टाफ ने भी विद्यार्थियों के साथ कदम से कदम मिलाकर यात्रा को सफल बनाने में सहयोग किया। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और देश के प्रति अपने कर्तव्यों के महत्व के बारे में संदेश दिया। तिरंगा यात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन का भी पूरा सहयोग रहा। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए डिलारी पुलिस बल की मौजूदगी रही, जिससे यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई। पुलिसकर्मियों ने यात्रा के दौरान व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया। यात्रा के शहीद स्मारक पर पहुंचने के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया। यहां विद्यार्थियों और विद्यालय स्टाफ ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। शहीद स्मारक पर पहुंचकर विद्यार्थियों ने देश की आजादी के महत्व को समझने और राष्ट्रहित में जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य केवल स्वतंत्रता दिवस मनाना नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को देश के स्वतंत्रता संग्राम, वीर शहीदों के बलिदान और राष्ट्रीय एकता के महत्व से जोड़ना भी है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से विद्यार्थियों में देशभक्ति, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। सर्वोदय इंटर कॉलेज डिलारी से निकली इस तिरंगा यात्रा को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यालय परिसर से लेकर शहीद स्मारक तक तिरंगे के साथ निकली यात्रा ने स्वतंत्रता दिवस के आगमन से पहले ही क्षेत्र को राष्ट्रभक्ति के माहौल से सराबोर कर दिया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने निकाली तिरंगा यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। कस्बे के प्रिटी पेटल्स किड्स जोन स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ बच्चों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि श्री लीलाधर मास्टर साहब ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और उत्थान के लिए उन्हें संबोधित किया। उन्होंने बच्चों को संस्कृति, संस्कार और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

इस दौरान मेजर राम सिंह ने भी बच्चों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। तिरंगा यात्रा के दौरान बच्चों में देशभक्ति का उत्साह देखने को मिला।इस मौके पर सौरभ पाठक, सभासद आवोध सिंह, स्कूल प्रधानाचार्य पूजा गुप्ता सहित स्कूल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। स्कूल प्रबंधक दिनेश पांडेय ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

विद्यालय निरीक्षण में लापरवाही पर चार शिक्षकों पर कार्रवाई

♦ शाला प्रभारी की दो और तीन अन्य शिक्षकों की एक-एक वेतनवृद्धि रोकने के आदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले के शासकीय विद्यालयों में चलाए जा रहे सघन निरीक्षण अभियान के दौरान लापरवाही और अनियमितताएं पाए जाने पर शिक्षा विभाग ने चार शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई की है। यह कार्रवाई कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार की गई। शिक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने 1 जुलाई को शासकीय प्राथमिक विद्यालय बम्हारी का आकस्मिक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान शिक्षकों की अनुपस्थिति सहित विद्यालय में अन्य अनियमितताएं सामने आई थीं। इस पर संबंधित शिक्षकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया। शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत जवाब विभाग को समाधानकारक नहीं मिला। मामले में जिला शिक्षा अधिकारी आकाश सिंह यादव ने विभागीय कार्रवाई करते हुए शासकीय प्राथमिक विद्यालय बम्हारी के शाला प्रभारी एवं प्राथमिक शिक्षक रामकिशन लोधी की दो वेतनवृद्धियां असंचयी प्रभाव से रोकने के आदेश दिए हैं। वहीं प्राथमिक शिक्षक शैलेंद्र सिंह यादव, रमेश जाटव एवं हेमलता शंखवार की एक-एक वेतनवृद्धि भी असंचयी प्रभाव से रोकने की लघु शास्ति अधिरोपित की गई है।जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि विद्यालयीन कार्यों में लापरवाही को गंभीरता से लिया जा रहा है। निरीक्षण अभियान के दौरान सामने आने वाली अनियमितताओं पर नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

कलेक्ट्रेट में गुरुवार को मुख्य द्वार पर की गई कड़ी चेकिंग

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । कलेक्ट्रेट में गुरुवार को एक अलग तस्वीर दिखाई दी। मुख्य द्वार पर कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था के बीच फरियादियों के थैला-बैग और बोतलों की जांच की जा रही थी। यहां तक कि उनकी पानी की बातलों को भी सूंघकर देखा जा रहा था। सवाल पूछे जा रहे थे कि थैले में क्या-क्या है? अपने-अपने काम, समस्या और शिकायतें लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचीं महिला-पुरुष जांच से थोड़े असहज दिखे। लेकिन भरपूर सहयोग किया।

दरअसल, जांच का ये घेरा इसलिए बनाया गया, क्योंकि एक दिन पहले, एक महिला अपनी बेटी के साथ कलेक्ट्रेट पहुंची थीं। उनके पास ज्वलनशील पदार्थ था। महिला ने आत्मदाह का प्रयास किया था। हालांकि इसी दौरान सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया था।

ये महिला सदर तहसील क्षेत्र के मानपुर चिकटिया गांव की कमलेषा देवी थीं। उनका आरोप है कि कुछ दबंगों ने उनकी जमीन कब्जा ली है। फर्जी कागजात बना लिए और जबरन निर्माण करा रहे हैं। इसी विरोध में वह कलेक्ट्रेट पहुंची और उन्होंने आत्मदाह का प्रयास किया। अलर्ट हुआ प्रशासन बुधवार की घटना के बाद जिला-प्रशासन अलर्ट हो गया। इसीलिए कलेक्ट्रेट गेट पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई। विशेषकर थैला लेकर आने वालों की जांच की गई। गुरुवार को कलेक्ट्रेट गेट पर महिला और पुरुष सुरक्षा टीमें जांच में लगी रहीं।

मुंबई जाने के लिए निकला युवक लापता

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। थाना क्षेत्र के ग्राम ठिरिया खेतल निवासी 24 वर्षीय शहजाद खाँ के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों के अनुसार शहजाद खाँ 8 अगस्त 2026 को सुबह करीब 10 बजे घर से बरेली जंक्शन जाने के लिए निकला था। उसे बरेली जंक्शन से मुंबई जाना था। दोपहर करीब दो बजे परिजनों की फोन पर शहजाद से बात हुई थी। उसने बताया था कि ट्रेन लेट है और वह स्टेशन पर ही बैठा है। इसके बाद रात करीब आठ बजे परिजनों ने दोबारा फोन किया तो उसका मोबाइल बंद मिला। कई बार फोन करने के बावजूद मोबाइल बंद रहा।परिजनों ने रिश्तेदारी और मुंबई में उसके काम करने वाले स्थान पर भी संपर्क कर जानकारी जुटाने का प्रयास किया, लेकिन शहजाद का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद उसके भाई नौशे खाँ ने थाना फतेहगंज पश्चिमी में प्रार्थना पत्र देकर गुमशुदगी दर्ज कर शहजाद की तलाश कराने की मांग की है।

रिश्वत लेते बिजली विभाग के दो कर्मचारी रंगे हाथ गिरफ्तार, ट्रांसफार्मर लगाने और बिजली बिल माफी के नाम पर मांगी थी रकम

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली,बदायूं । भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में भ्रष्टाचार निवारण संगठन बरेली की टीम को बड़ी कामयाबी मिली है। जरीफनगर स्थित 33/11 बिजली घर में तैनात टीजी-2 हरिदेव राम और लाइनमैन (संविदा कर्मी) मानक चन्द्र को 12 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों को टीम ने 13 अगस्त को करीब 3:12 बजे ट्रैप कार्रवाई के दौरान पकड़ा।जानकारी के मुताबिक

शिकायतकर्ता सतीश कुमार निवासी मोहम्मदपुर कुड़ई, थाना जरीफनगर के खेत में ट्यूबवेल का ट्रांसफार्मर जल जाने के बाद दूसरा ट्रांसफार्मर लगवाने और विद्युत बिल माफी के नाम पर आरोपियों द्वारा 12 हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। शिकायत मिलने पर भ्रष्टाचार निवारण संगठन बरेली की टीम ने शिकायत का संज्ञान लेते हुए नियमानुसार ट्रैप कार्रवाई की। ट्रैप टीम प्रभारी निरीक्षक इम्तियाज कादरी के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को रिश्वत की रकम लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के खिलाफ थाना सहसवान, बदायूं में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है।

फुटपाथ व डिवाइडरों पर कब्जे, मुश्किल में डगर, जितनी दुकान भीतर, उतनी ही सड़क पर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। स्मार्ट सिटी की मुख्य सड़कें और फुटपाथ अवैध कब्जेदारों की मनमानी का शिकार हैं।ह्न नगर निगम की सुस्ती से कुतुबखाना घंटाघर, इंदिरा मार्केट, बरेली कॉलेज रोड और जिला अस्पताल मार्ग पर दुकानदारों ने फुटपाथ के बाद अब डिवाइडरों की कम ऊंचाई का फायदा उठाते हुए उन पर भी सामान सजा लिया है।

शहर में शायद ही कोई ऐसा बाजार होगा, जो अतिक्रमण से न कराह रहा हो और जाम झेल रहा हो। मंगलवार को जिला अस्पताल रोड तक अतिक्रमण की वजह से जाम में लोग फंस रहे हैं।

एंबुलेंस को भी अस्पताल पहुंचने में जाम से गुजरना पड़ता है। बरेली कालेज और सिकलापुर रोड, सिविल लाइंस समेत कई प्रमुख मार्गों पर जितनी दुकान भीतर, उतनी ही बाहर नजर आई। यहां रोड किनारे दर्जनों वाहन भी खड़े दिखे। लोगों का कहना है कि अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया जाता है, मगर दुकानों पर बिकने वाला सामान सड़क किनारे फड़ लगाकर बेचा जा रहा है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने कहा कि फुटपाथ और डिवाइडरों पर कब्जा नहीं होने दिया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। टीम के जाते ही सड़कों पर सज जाती हैं दुकानें नगर निगम का प्रवर्तन दल समय-समय पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाता है। कुतुबखाना और आसपास के व्यस्त बाजारों में निगम की टीम की वापसी के चंद घंटों बाद ही दुकानें दोबारा सज जाती हैं। स्थायी समाधान न होने और नाममात्र का जुर्माना लगाने के कारण अवैध कब्जेदारों के हौसले बुलंद हैं। लोगों का कहना है कि जब तक सामान जब्त करने और बार-बार नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी, तब तक हालात नहीं सुधरेंगे।

सामूहिक दुष्कर्म का एक आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। एक किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटनाक्रम नवाबगंज थाना क्षेत्र का है। चार दिन पहले एक किशोरी अपने भाई के साथ खेत पर गई थी। पड़री गांव निवासी विमलेश और उसके साथी उसे छोटे भाई के सामने गन्ने के खेत में उठा ले गए थे। किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसे धमकी देकर फरार हो गए।

एसएसपी ने किया था गांव का दौरा-इस घटना ने इलाके में हड़कंप मचा दिया था। पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की। मेडिकल में दुष्कर्म की पुष्टि हुई। एसएसपी अनुराग आर्य ने घटनास्थल का दौरा किया था। उसी दिन से आरोपी की धरपकड़ के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही थीं।

सीओ नवाबगंज नीलेश मिश्रा ने बताया कि बुधवार की रात पुलिस ने आरोपी की घेराबंदी की तो उसने पुलिस पर गोली चला दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई तो वह विमलेश के पैर में लगी। वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं, घटना में शामिल दूसरे आरोपी की तलाश में पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

शहीदों की याद में गूंजेगा देशभक्ति का तराना, 15 अगस्त को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। हर घर तिरंगा अभियान के तहत स्वतंत्रता दिवस की संध्या पर जिला प्रशासन की ओर से 'एक शाम शहीदों के नाम' अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम 15 अगस्त को शाम 6 बजे पं. राधेश्याम कथावाचक सभागार (जीआईसी ऑडिटोरियम) में होगा। कवि सम्मेलन में देशभर के ख्यातिलब्ध कवि अपनी रचनाओं के माध्यम से अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति का संदेश देंगे। सुदीप भोला, मनवीर मधुर, डॉ. शुभम त्यागी, उपेन्द्र पांडे, असद मेहताब, मुकेश कमल, अमित शुक्ला और रोहित राकेश समेत कई कवि काव्य पाठ करेंगे। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देशन में आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। एडीएम वित्त एवं राजस्व संतोष कुमार सिंह को कार्यक्रम का संयोजक बनाया गया है। जिला प्रशासन ने शहरवासियों से बड़ी संख्या में पहुंचकर देशभक्ति से ओतप्रोत इस शाम का हिस्सा बनने की अपील की है।

सावन के शेष सभी सोमवार के अवकाश की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच /शेर सिंह / बरेली -उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधि मंडल आज जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ विनीता सिंह से मिला जिसमें जिलाध्यक्ष नरेश गंगवार ने कहा कि सावन माह में रूट डाइवर्ट होने की वजह और अत्यधिक भीड़ जाम होने की बजह से पिछले सोमवार को शिक्षको को स्कूल जाने आने मे अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ा, इसीलिए शेष सोमवार को अवकाश की मांग की जिसे महोदया ने स्वीकार कर आवश्यक कार्यवाही की बात की, जिलाध्यक्ष नरेश गंगवार ने कहा अवकाश जिलाधिकारी महोदय की स्वीकृति मिलने पर हो जाएगा इस हेतु फाइल प्रेषित की जा रही है, वार्ता के समय मांडलिक मंत्री के सी पटेल, प्रसून गंगवार, अनुराग दीक्षित, पूजा कुमारी, आदि

हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत निकली भव्य तिरंगा यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत पुलिस परेड ग्राउंड से भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा में मंत्री, जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारियों, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राओं सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने प्रतिभाग किया। तिरंगा यात्रा पुलिस परेड ग्राउंड से प्रारंभ होकर इंदिरा चौक, गांधी ग्राउंड, लावेला चौराहा होते हुए पुनः पुलिस लाइन परेड ग्राउंड पहुंचकर सम्पन्न हुई। यात्रा के दौरान देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत वातावरण रहा तथा लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश दिया।गन्ना विकास राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार ने कहा कि तिरंगा हमारे देश की पहचान, आन, बान और शान का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत प्रत्येक व्यक्ति अपने घर पर तिरंगा पूरे सम्मान के साथ फहराए। उन्होंने कहा कि तिरंगा कभी भी इधर-उधर पड़ा हुआ अथवा असम्मानजनक स्थिति में दिखाई न दे, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

जिलाधिकारी अवनीश राय ने कहा कि भारत को स्वतंत्र, सशक्त एवं मजबूत बनाने वाली सबसे बड़ी ताकत हमारी एकता और अखंडता है। हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्रनिर्माण की भावना को और मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक तिरंगे को सम्मानपूर्वक फहराए तथा राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा बनाए रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाए। उन्होंने स्वतंत्रता एवं पर्यावरण की रक्षा के साथ राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि तिरंगा केवल तीन रंगों का ध्वज नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, अखंडता, स्वतंत्रता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमारे वीर स्वतंत्रता सेनानियों एवं सैनिकों ने देश की आजादी और सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उनके त्याग को नमन करते हुए प्रत्येक नागरिक को देश की प्रगति, स्वच्छता, सुरक्षा एवं सामाजिक सद्भाव के लिए योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए।

सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि हर घर तिरंगा देश की आन, बान और शान से जुड़ा अभियान है। उन्होंने कहा कि भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है और युवा पीढ़ी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बिल्सी विधायक हरीश शाक्य ने कहा कि तिरंगा हमारे बलिदान, संस्कृति और राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक है, इसलिए इसे सदैव पूरे सम्मान के साथ आगे बढ़ाना हम सभी का दायित्व है। जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव ने छात्र-छात्राओं से मन लगाकर पढ़ाई करने और जनपद एवं देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया।इस अवसर पर दातागंज विधायक राजीव कुमार सिंह, पूर्व सांसद डॉ. संघमित्रा मौर्य, पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य, वरिष्ठ नेता डीके भारद्वाज, पूर्व विधायक सिनोद शाक्य, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चंद्रा, पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव सहित ब्लॉक प्रमुख, नगर निकायों के अध्यक्ष, अधिकारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गांधी उद्यान से शहीद स्तंभ तक गूंजे देशभक्ति के नारे, डीएम ने रवाना की तिरंगा यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में माध्यमिक शिक्षा एवं बेसिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को विशाल तिरंगा यात्रा रैली का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने गांधी उद्यान से हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। हाथों में तिरंगा थामे हजारों छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने देशभक्ति के नारों से शहर को राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग दिया। प्रातः 8:30 बजे गांधी उद्यान से शुरू हुई

तिरंगा यात्रा जिला जज आवास, सर्किट हाउस रोड और सर्किट हाउस चौराहे से होते हुए आयुक्त कार्यालय स्थित शहीद स्तंभ पर पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के करीब 2500 छात्र-छात्राओं और 500 शिक्षक-शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। रैली का संचालन जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अजीत कुमार एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. विनीता ने किया। सफल आयोजन में राजकीय नोडल प्रधानाचार्य डॉ. लोकेश चन्द्र, डॉ. राजेश सक्सेना, डॉ. सुभाष चन्द्र मौर्य, मनोज दिवाकर, संजय सिंह तथा वीरेन्द्र कुमार, जिला समन्वयक माध्यमिक शिक्षा अभियान का विशेष सहयोग रहा। तिरंगा यात्रा के दौरान विद्यार्थियों में जबरदस्त उत्साह दिखाई दिया। देशभक्ति के नारों और लहराते तिरंगों ने पूरे मार्ग को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया।

कलेक्ट्रेट पर आत्मदाह की कोशिश से प्रशासन अलर्ट, डीएम बोले-ऐसा कृत्य दोबारा हुआ तो होगी विधिक कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। कलेक्ट्रेट गेट पर बुधवार को आत्मदाह के प्रयास की घटना का जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित महिला को बुलाकर पूरे प्रकरण की जानकारी ली और उपजिलाधिकारी सदर से जांच रिपोर्ट तलब की। प्रशासन की जांच में मामला निजी भूमि के विवाद से जुड़ा पाया गया। संयुक्त मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी सदर इशिता किशोर के अनुसार, ग्राम मानपुर चिकटिया निवासी कमलेश ने आरोप लगाया था कि उसके प्लाट गाटा संख्या 139 में आने-जाने का रास्ता विपक्षी राजवीर सिंह द्वारा बंद किया जा रहा है। डीएम के निर्देश पर तहसीलदार सदर ने राजस्व टीम और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर पैमाइश कराई।

जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ता का प्लाट गाटा संख्या 139 में है, जबकि उससे सटा गाटा संख्या 145 राजवीर सिंह के नाम दर्ज है। राजस्व अभिलेखों और मौके की स्थिति में दोनों गाटों के बीच कोई रास्ता दर्ज नहीं पाया गया। गाटा संख्या 139 में कई सहखातेदार हैं और दोनों पक्षों की भूमि श्रेणी-1क में संक्रमणीय भूमिधर के रूप में दर्ज है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मामला निजी भूमि से संबंधित होने के कारण सिविल प्रकृति का है। शिकायतकर्ता पूर्व में भी एक जुलाई को आईजीआरएस पर शिकायत कर चुकी थी। उस समय राजस्व और पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों के बीच सहमति से समाधान का प्रयास किया था। सहमति नहीं बनने पर दोनों पक्षों को सिविल न्यायालय से राहत लेने की जानकारी दी गई थी। शिकायतकर्ता द्वारा सिविल न्यायालय में वाद दायर किए जाने की बात भी सामने आई है।

डीएम ने कहा कि शिकायत पर प्रशासन द्वारा पूर्व में नियमानुसार स्थलीय जांच और कार्रवाई की जा चुकी थी। इसके बावजूद कलेक्ट्रेट गेट पर आत्मदाह जैसा कदम उठाना गंभीर और अनुचित है। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में इस प्रकार का कृत्य करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

तिरंगे के रंग में रंगा आंवला, गूंजे भारत माता के जयकारे

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने आंवला में विशाल तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया। कैंप कार्यालय से शुरू हुई यात्रा सर्गम रिसोर्ट, एसबीआई चौराहा सहित नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए सुभाष इंटर कॉलेज पहुंचकर संपन्न हुई। हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों ने भारत माता के जयकारे लगाए। नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थानीय नागरिकों एवं विभिन्न समुदायों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। मंत्री ने कहा कि तिरंगा यात्रा राष्ट्र के प्रति सम्मान, निष्ठा और गौरव की अभिव्यक्ति है। यात्रा ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश दिया। इस दौरान पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप, विधायक बिथरीचैनपुर डॉ. राघवेंद्र शर्मा, प्रदेश मंत्री सुभाषिनी जायसवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष आंवला आदेश प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व नागरिक मौजूद रहे।

रामगंगा पार करते हुए युवक डूबा, पीएसी गोताखोर तलाश में जुटे

रामपुर के मिलक क्षेत्र में रामगंगा नदी पार करते समय 19 वर्षीय युवक तेज बहाव में डूब गया। मुरादाबाद पीएसी की टीम युवक की तलाश कर रही है।

कोतवाली मिलक क्षेत्र के ग्राम कूप के पास बुधवार दोपहर रामगंगा नदी पार करते समय तेज बहाव की चपेट में आने से 19 वर्षीय युवक डूब गया। घटना के बाद से युवक का कोई सुराग नहीं लग सका है। स्थानीय गोताखोरों की तलाश के बाद प्रशासन ने मुरादाबाद से पीएसी के बाढ़ राहत दल के प्रशिक्षित गोताखोरों को बुलाया। देर शाम तक नदी में युवक की तलाश जारी रही। मिलक क्षेत्र के ग्राम कूप निवासी ओमकार उर्फ छोटू (19) पुत्र श्यामवीर बुधवार दोपहर करीब 2:30 बजे अपने बड़े भाई ओमवीर के साथ मवेशी चराने के लिए गांव के पास रामगंगा नदी पार कर रहा था। इसी दौरान नदी के तेज बहाव में ओमकार संतुलन खो बैठा और पानी में बहने लगा। भाई को डूबता देख ओमवीर ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को मदद के लिए बुलाया। बताया गया कि नदी के किनारे गांव के कुछ लोग दशमा संस्कार का कार्य कर रहे थे। उन्होंने भी युवक को बचाने का प्रयास किया,

लेकिन रामगंगा के तेज बहाव के कारण ओमकार देखते ही देखते पानी में बह गया।घटना की सूचना मिलते ही मिलक पुलिस मौके पर पहुंची। उपजिलाधिकारी शाहाबाद, तहसीलदार शाहाबाद और क्षेत्रीय लेखपाल ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय गोताखोरों ने काफी देर तक नदी में युवक की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली।पीएसी के प्रशिक्षित गोताखोरों ने संभाला मोर्चायुवक का पता न चलने पर उपजिलाधिकारी के निर्देश पर मुरादाबाद से पीएसी के बाढ़ राहत दल के प्रशिक्षित गोताखोरों को बुलाया गया। जल पुलिस के गोताखोर नाव की मदद से नदी में संभावित स्थानों पर युवक की तलाश कर रहे हैं। नदी के तेज बहाव को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने किनारे पर निगरानी भी बढ़ा दी है। देर शाम तक ओमकार का कोई सुराग नहीं मिल सका था। युवक के नदी में डूबने की खबर से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे उसके सकुशल मिलने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

स्कूलों में छात्राओं को पीरियड के बारे में दी जाएगी वैज्ञानिक जानकारी, निःशुल्क दिए जाएंगे सेनेटरी पैड

यूपी के स्कूलों में छात्राओं को पीरियड के बारे में वैज्ञानिक जानकारी दी जाएगी। इसी के साथ मास्टर ट्रेनर तैयार किए जाएंगे। बेटियों की पढ़ाई उनके स्वास्थ्य की वजह से बाधित न हो और विद्यालय उनके लिए सुरक्षित व संवेदनशील वातावरण का स्थान बने, बेसिक शिक्षा विभाग ने इसकी पहल की है। इसके तहत सभी विद्यालयों में एमएचएम कॉर्नर स्थापित किए जा रहे हैं और छात्राओं को निःशुल्क सेनेटरी पैड भी उपलब्ध कराया जाएगा। इस क्रम में मासिक धर्म स्वास्थ्य व स्वच्छता से जुड़े विषयों पर शिक्षकों की समझ और संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए सभी 75 जिलों में मास्टर ट्रेनर तैयार किए जा रहे हैं। राज्य स्तर पर आयोजित दो दिन की कार्यशाला में हर जिले से तीन प्रतिभागियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है। पहले दिन 13 अगस्त को 37 जिलों के 111 प्रतिभागियों का प्रशिक्षण हुआ शेष जिलों के 112 प्रतिभागियों का प्रशिक्षण 14 अगस्त को होगा। जुड़ी व्यवस्थाओं और संवेदनशील शैक्षिक वातावरण को मजबूत करने की दिशा में कवायद है। इस प्रशिक्षण में यह समझ विकसित की जा रही है कि मासिक धर्म स्वास्थ्य को केवल सेनेटरी पैड की उपलब्धता तक सीमित न रखते हुए सुरक्षित टॉयलेट, पानी, साबुन, उचित निस्तारण, गोपनीयता, जागरूकता और सहयोगी वातावरण से जोड़ा जाए।

संक्षिप्त समाचार

बच्चे ट्रेन में, माता पिता प्लेटफॉर्म पर... ट्रेन चली तो मची भगदड़

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बरेली जंक्शन पर गुरुवार को अवध-असम एक्सप्रेस में सवार होने के दौरान बड़ा हादसा टल गया। मझगंवा निवासी निरंकार परिवार के साथ यात्रा के लिए स्टेशन पहुंचे थे। ट्रेन में चढ़ते समय उनके बच्चे आदित्य और ज्योती अंदर चले गए, जबकि परिजन प्लेटफॉर्म पर रह गए। ट्रेन चलने लगी तो दोनों बच्चे रोने-चिल्लाने लगे। बच्चों को उतारने की कोशिश में एक बच्चा ट्रेन की चपेट में आते-आते बचा। इसी दौरान ट्रेन में सवार महिला रिश्तेदार सोनी ने भी चलती ट्रेन से छलांग लगा दी। वह भी ट्रेन के नीचे आने से बाल-बाल बची। घटना से स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंचे आरपीएफ इंस्पेक्टर मयंक चौधरी ने टीम के साथ स्थिति संभाली। गनीमत रही कि ट्रेन की रफ्तार कम थी और सभी सुरक्षित बच गए। पूरा घटनाक्रम स्टेशन के सीसीटीवी कैमरों में कैद हुआ, जिसका फुटेज गुरुवार को सामने आया।

व्हाट्सएप पर ट्रेडिंग का झांसा, गंवाए 10.50 लाख...साइबर पुलिस ने दिलाये 8.62 लाख रूपए

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। ट्रेडिंग एप के जरिए मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर ठगी के शिकार हुए पीड़ित को

साइबर थाना पुलिस ने बड़ी राहत दिलाई है। पुलिस ने मनी ट्रेल का पीछा करते हुए ठगी गई 10 लाख 50 हजार रुपये की रकम में से 8 लाख 62 हजार 365 रुपये पीड़ित के खाते में वापस करा दिए। पुलिस के अनुसार बिहारीपुर निवासी मोहित रस्तोगी ने 17 अक्टूबर 2025 को साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। अज्ञात मोबाइल नंबर से व्हाट्सएप के माध्यम से ट्रेडिंग एप में जोड़कर अच्छा मुनाफा देने का झांसा दिया गया और उनसे 10.50 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई। मामले में थाना साइबर क्राइम पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। साइबर थाना पुलिस ने गृह मंत्रालय के साइबर पोर्टल ढ्ढष्ट4, बैंकों और अन्य एजेंसियों से समन्वय स्थापित कर लगातार प्रयास किए। इसी के चलते 8.62 लाख 365 रुपये पीड़ित के खाते में रिवर्स कराए गए। शेष रकम जो छोटे-छोटे गेम एप में भेजी गई है, उसकी बरामदगी के लिए भी प्रयास जारी हैं। मामले में पश्चिम बंगाल के दो आरोपियों के प्रकाश में आने की बात सामने आई है और उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। टीम में विवेचक प्रभारी निरीक्षक धनंजय पांडेय और कांस्टेबल विजय कुमार शामिल रहे।

125 दिन रोजगार गारंटी से गांवों को मिलेगी , विकास की नई रफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। विकसित भारत-गारंटी फॉर

रोजगार एवं आजीविका मिशन के तहत गुरुवार को विकास भवन सभागार में पंच सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता विधान परिषद सदस्य कुंवर महाराज सिंह ने की। मुख्य विकास अधिकारी देवयानी ने योजना के तहत ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी और मजदूरी का भुगतान सात दिनों के भीतर किए जाने के प्रावधानों की जानकारी दी। जल सुरक्षा, ग्रामीण आधारभूत ढांचे, आजीविका संवर्धन और आपदा प्रबंधन से जुड़े 318 कार्यों पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त श्रम रोजगार ने योजना की विस्तृत जानकारी दी। सीडीओ ने ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों और अधिकारियों को कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सम्मेलन में विकसित ग्राम पंचायत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जनभागीदारी और विभिन्न योजनाओं के बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया।

डिलारी में भाकियू टिकैत ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के रंग में रंगा क्षेत्र

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के नेतृत्व में गुरुवार को डिलारी क्षेत्र में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर बड़ी संख्या में किसान और संगठन के पदाधिकारी यात्रा में शामिल हुए। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया और लोगों ने उत्साह के साथ भारत माता के जयकारे लगाए। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ ब्लॉक डिलारी से हुआ। यहां से यात्रा डिलरा चौक होते हुए नगर पंचायत ढकिया, चांदखेड़ी, सैजनी, धींगरपुर, मुलावान और डिलारी के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया।

राष्ट्रीय ध्वज के साथ आगे बढ़ रहे किसानों और कार्यकर्ताओं में देशभक्ति का जोश देखने को मिला। यात्रा के दौरान भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारियों के साथ क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान भी मौजूद रहे।

संगठन के कार्यकर्ताओं ने लोगों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र की एकता, अखंडता और भाईचारे को मजबूत करने का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा में शामिल किसानों के हाथों में लहराते राष्ट्रीय ध्वज ने पूरे मार्ग को देशभक्ति के माहौल से भर दिया। तिरंगा यात्रा को लेकर डिलारी पुलिस भी पूरी तरह सतर्क नजर आई। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की गई थी। पुलिसकर्मियों ने यात्रा के दौरान मार्ग पर व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही यातायात को सुचारु रूप से संचालित कराया, जिससे यात्रा शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ती रही। यात्रा का समापन ब्लॉक डिलारी स्थित शहीद स्मारक पर किया गया। यहां पहुंचने पर किसानों और संगठन के पदाधिकारियों ने शहीदों को नमन करते हुए देश के लिए उनके बलिदान को याद किया। इस दौरान राष्ट्रभक्ति और देश की एकता का संदेश दिया गया। तिरंगा यात्रा में भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला अध्यक्ष मास्टर बलराम सिंह चौहान, ब्लॉक अध्यक्ष अनीस अहमद, तहसील अध्यक्ष दर्शनलाल, ठाकुरद्वारा ब्लॉक अध्यक्ष परमेन्द्र सिंह, तहसील उपाध्यक्ष वाहिद अली समेत संगठन के अन्य पदाधिकारी और क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। तिरंगा यात्रा के सफल आयोजन को लेकर किसानों में खासा उत्साह दिखाई दिया। यात्रा के माध्यम से संगठन ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशप्रेम, एकता और सामाजिक भाईचारे का संदेश दिया। शहीद स्मारक पर यात्रा के समापन के साथ ही कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

एसपी ने कोलारस थाने का किया निरीक्षण, अपराधों की रोकथाम और लंबित मामलों के निराकरण के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया ने बुधवार को थाना कोलारस पहुंचकर थाने का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने में संधारित रिकॉर्ड, महत्वपूर्ण रजिस्टर, मालखाना और हवालात का जायजा लिया। साथ ही थाना परिसर की साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसपी ने अपराधों की रोकथाम और क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस को सतर्कता के साथ कार्रवाई

करने के निर्देश दिए। उन्होंने थाने की सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखने तथा सीसीटीवी कैमरों को हमेशा चालू रखने पर जोर दिया।

रात्रि गश्त बढ़ाने और वारंटों की तामीली के निर्देश- निरीक्षण के दौरान एसपी ने रात्रि गश्त में अधिक से अधिक पुलिस बल लगाने और क्षेत्र में लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। वहीं लंबित वारंटों की तामीली में तेजी लाने तथा लंबित अपराधों में आरोपियों की गिरफ्तारी कर मामलों का शीघ्र निराकरण करने को कहा। उन्होंने अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ ही लंबित सीएम हेल्पलाइन एवं पुलिस शिकायतों का समयबद्ध तरीके से निराकरण करने के निर्देश दिए। फरियादियों की रिपोर्ट पर नियमानुसार तत्काल वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने को भी कहा। महिला और संपत्ति संबंधी अपराधों पर विशेष निगरानी एसपी ने महिला संबंधी अपराधों में सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने तथा पीड़िताओं को आवश्यक पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। संपत्ति संबंधी अपराधों में आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ चोरी या अन्य संपत्ति की बरामदगी के लिए प्रभावी कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से थाना क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार सक्रिय रहने की अपेक्षा की। निरीक्षण के दौरान थाने में की जाने वाली विभिन्न कार्यवाहियों के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

संक्षिप्त समाचार

तिरंगा रैली का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / अनिल कुमार/ मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था ग्राम मथुरापुर शानवी मानव उत्थान सेवा समिति ने ग्राम मथुरापुर में तिरंगा रैली

निकाली जिसमें स्कूल प्रभारी अमन साहू , शिक्षक पीयूष जैन, हेमंत कुशवाह, शिक्षिका रघुवंशी मेम,विद्यार्थी और ग्रामीण जन नवांकुर संस्था से जीवन सिंह इत्यादि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे यह रैली ग्राम के प्रत्येक गली में निकाली गई भारत माता की जय ,वंदे मातरम के नारे लगाएं,इसी के साथ लोगों ने देशभक्ति जीत भी गए जो सभी में देश प्रेम का उत्साह देखने को मिला

संजय अग्रवाल और बब्बू राजा नरी ने चौकी प्रभारी का स्वागत किया

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) कोतवाली की मंडी चौकी प्रभारी राकेश कुमार पटेल से नगर क समाजसेवी संजय अग्रवाल दतिया वाले

एवं बब्बू पटेल नरी ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों ने चौकी प्रभारी को पुष्पमाला पहना कर एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया। मुलाकात के दौरान क्षेत्र की कानून व्यवस्था, जनसहयोग तथा पुलिस जनता के बीच बेहतर समन्वय को लेकर भी चर्चा हुई चौकी प्रभारी ने व्यापारियों से सहयोग की अपील की इस अवसर पर सब इंस्पेक्टर भीष्म पाल सिंह यादव सिपाही अभिषेक कुमार सिपाही भूपेंद्र सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

हर हाथ में तिरंगा, हर दिल में देशभक्ति–शहर में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, जगह-जगह हुआ स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकमसिंह रघुवंशी/ विदिशा- स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत आज जिला प्रशासन द्वारा शहर में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। देशभक्ति के रंग में रंगी इस यात्रा में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यार्थियों, खिलाड़ियों और शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। यात्रा की सबसे खास बात यह रही कि इसमें शामिल हर व्यक्ति के हाथ में तिरंगा और दिल में देशभक्ति का जज्बा नजर आया। तिरंगे के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते नागरिकों ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता, भाईचारे और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। पूरे मार्ग में देशभक्ति का उत्साह और उमंग देखते ही बन रही थी। विधायक श्री टंडन ने कहा कि हमारा देश विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों और विभिन्न संप्रदायों को मानने वाला देश है, तिरंगे के सम्मान में हम सभी एकजुट होकर खड़े हैं। तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है तथा यह देश की एकता और अखंडता का संदेश देता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह देश की स्वतंत्रता, एकता और अखंडता के महत्व को समझे तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाए। विधायक श्री टंडन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक भारत को दुनिया का सबसे शक्तिशाली और विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है। इस दिशा में देश निरंतर प्रगति कर रहा है और विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति में युवाओं और बच्चों की महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे जिस भी क्षेत्र में जाएं, वहां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करें और अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, किसानों को उन्नत खेती के अवसर प्राप्त हों और व्यवसाय एवं रोजगार के क्षेत्र में भी निरंतर विकास हो–इन सभी क्षेत्रों को आगे बढ़ाकर ही हम भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्र बना सकते हैं। इस अवसर पर विधायक श्री टंडन ने नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों से भी अवगत कराया। उन्होंने युवाओं एवं आमजन से नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ, सकारात्मक और संस्कारयुक्त जीवन अपनाने का आह्वान किया। श्री अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी और विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, स्कूली छात्र-छात्राएं, खिलाड़ी तथा सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए शहर के गणमान्य नागरिकों ने भी उत्साह के साथ यात्रा में भाग लेकर आयोजन को भव्यता प्रदान की।

मंडी चौकी के प्रभारी नीतीश कुमार को विदाई दी गई

कोंच के लोगों ने जो स्नेह प्यार सम्मान दिया उसे दिल में रखेंगे नीतीश कुमार

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेन्द्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन)। आज मंडी चौकी के परिसर में मंडी चौकी के प्रभारी रहे नीतीश कुमार के स्थानांतरण पर भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें पत्रकार लाल सिंह यादव जितेंद्र कुशवाहा सभासद आवेश जाटव अपना दल एस के नेता प्रदीप कुशवाहा राजेश सेनी प्रधान रवि गौतम मनीष मिश्रा प्रधान देवेंद्र निरंजन देबू सभासद अशोक गुर्जर आदि ने नीतीश कुमार का माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र उड़ाकर उनको विदा किया । इस अवसर पर बोलते हुये नीतीश कुमार ने कहा कि जब से में यहां आया हूं यहां के लोगों का मुझे अच्छा सहयोग मिला और मुझे तमाम जगहों पर नौकरी की लेकिन कोंच में जो लोगों ने स्नेह प्यार और सम्मान दिया। वह यादगार है में जहां पर भी रहूं कोंच के लोगों का स्नेह प्यार को अपने दिल में रखूंगा। कोंच के लोग बहुत अच्छे लोग है इस अवसर पर नवागत चौकी इंचार्ज राकेश कुमार पटेल एस आई बीपी सिंह यादव सिपाही अभिषेक सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

जमीन खरीदी में कथित धोखाधड़ी का मामला: दास जी साहू ने CBI जांच की मांग उठाई

क्यूँ न लिखूँ सच /रायपुर/ किसानों से जमीन खरीदने के नाम पर कथित तौर पर सौदे कर रजिस्ट्री नहीं कराने का आरोप, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री समेत आला अधिकारियों को भेजा आवेदन तिल्दा-नेवरा। जमीन खरीदी के नाम पर किसानों के साथ कथित धोखाधड़ी किए जाने के मामले में तिल्दा-नेवरा निवासी आशा देवी साहू के पति दास जी साहू ने गंभीर आरोप लगाते हुए सीबीआई जांच की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़, पुलिस महानिदेशक छत्तीसगढ़, पुलिस मुख्यालय रायपुर और कलेक्टर रायपुर को आवेदन भेजा है। आवेदन में दास जी साहू ने प्रफुल्ल वैद्य, शंकर नगर चौक रायपुर, श्रीमती श्वेता वैद्य, शंकर नगर चौक रायपुर तथा शांति स्वरूप उपाध्याय, मोवा रायपुर को मामले के प्रमुख आरोपी बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की4 है। शिकायत के अनुसार, संबंधित लोगों द्वारा किसानों से जमीन खरीदने के लिए मंत्रालय में बड़े अधिकारी के लिए जमीन लेने की बात कही जाती थी। इसके बाद 15 से 20 दिन अथवा अधिकतम एक माह के भीतर रजिस्ट्री कराने का भरोसा दिलाकर जमीन के सौदे किए जाते थे। आरोप है कि समय बीतने के बाद भी रजिस्ट्री नहीं कराई जाती और संपर्क करने पर संबंधित लोग उपलब्ध नहीं होते। प्रदेश के अन्य किसानों से भी जुड़ा होने का दावा दास जी साहू का दावा है कि मामले की जानकारी जुटाने पर उन्हें पता चला कि इस तरह की कथित शिकायतें प्रदेश के अन्य किसानों से भी जुड़ी हो सकती हैं। उन्होंने जांच के माध्यम से यह पता लगाने की मांग की है कि कथित धोखाधड़ी के मामले में उक्त लोगों के अलावा अन्य कौन-कौन व्यक्ति शामिल हैं और उनकी क्या भूमिका है। दोषियों पर कार्रवाई की मांग शिकायतकर्ता ने मांग की है कि पूरे मामले की सीबीआई अथवा किसी सक्षम स्वतंत्र जांच एजेंसी से निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच कराई जाए। जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ धोखाधड़ी सहित लागू कानूनों के तहत कार्रवाई की जाए। दास जी साहू का कहना है कि निष्पक्ष जांच होने से पूरे मामले की वास्तविकता सामने आ सकेगी और भविष्य में किसानों के साथ इस प्रकार की कथित धोखाधड़ी की घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी।

हर घर तिरंगा अभियान मैं विधायक सूर्य प्रकाश मीणा हुए सम्मिलित

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ नटेरन सांदीपनी स्कूल से तिरंगा रैली निकाली गई जो नटेरन बस स्टैंड से होते हुए संस्कार पेट्रोल पंप तक जाकर लौटकर फिर सांदीपनी स्कूल तक वापस आई जिसमें भारत माता की जय एवं वंदे मातरम के नारे की गूंज के साथ सभी स्कूल के बच्चे छात्र एवं छात्राएं अपने हाथ में तिरंगा झंडा लेकर आगे बढ़े इसमें सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे एवं जन-जन के लाडले विधायक सूर्य प्रकाश मीणा की उपस्थिति में भाजपा मंडल के जेस्ट श्रेष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे जिसमें जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी धीरज सिंह रघुवंशी मंडल अध्यक्ष संग्राम सिंह रघुवंशी महामंत्री संजय चौकसे माखन सिंह, राजू मामा रघुवंशी ,संतोष मराठा, अखिलेश रघुवंशी, संजीव रघुवंशी आदि क्षेत्रीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे , एवं नटेरन थाना प्रभारी तिरंगा यात्रा में पूरे समय सम्मिलित रहे एवं समस्त विभागों के अधिकारी कर्मचारी ही सम्मिलित रहे सभी ने भारत माता की जय एवं वंदे मातरम के नारे लगाए देश भक्ति में भावुक रहे सभी वंदे मातरम भारत माता की जय जय से गूंज नटेरन।

गंज बासौदा जी आर पी की खस्ता हालत, पीड़ित परिवार से कहा अपराधी को पकड़कर लाओ

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ दो सप्ताह पहले गंज बासौदा रेलवे स्टेशन पर एक तीन वर्षीय मासूम के गले से सोने की हाय, चाकू व लॉकेट काट लिया था, जिसमें दो आरोपी शामिल थे जिनको सी सी टी वी फुटेज के माध्यम से पहचान कर उनमें से एक को विदिशा जी आर पी ने पकड़ लिया था व उसके पास से सोने की हाय, व चाकू ले लिया था, व गंज बासौदा जी आर पी को देकर पीड़ित परिवार से उसकी पहचान करवा ली थी, जब इस मामले पर आगे की कार्रवाई के लिए व दूसरे आरोपी को पकड़ने को लेकर हुई कार्यवाही की जानकारी लेने पीड़ित परिवार के साथ नगर के जैन समाज के संगठन अभय सेना के सदस्य पहुंचे , तो बताया कि स्टाफ नहीं है, मै भी कही जा रहा हूँ। अगर सब लोग उसको पहचानते हैं तो आप पकड़ लाइए हमारे पास। फिर कुछ समय बाद बोले कि पकड़ कर लाओगे तो हम रखेंगे कहा। पहले जिसको पकड़ा था उसको भी छोड़ दिया क्योंकि ऐसा माननीय सुप्रीम कोर्ट का आदेश है, जबकि लोगों का कहना था कि जब तक उनका साथी पकड़ में नहीं आया था तो पहले को नहीं छोड़ना था, पूरा सामान भी जब्त नहीं किया, जिसमें कीमती पत्थर जड़ा हुआ लॉकेट अभी भी चोर के पास है, पुलिस का कहना है यहां स्टाफ नहीं है , अगर आपको चोर को पकड़वाना है तो विदिशा में जो हमारे अधिकारी हैं महेंद्र सिंह शाक्य उनके पास जाइए। वो स्टाफ भेजेंगे तब पकड़ पाएंगे।

वंदेमातरम पर नाराज हुए प्रधानाचार्य, नवोदय के 95 छात्रों ने खुद को हॉस्टल में किया बंद, शुरू की भूख हड़ताल

अनौगी स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्रों ने की प्रधानाचार्य को हटाने की मांग की। छात्रों का आरोप है कि भारत माता की जय, वंदेमातरम के नारे लगाने पर प्रधानाचार्य नाराज हुए। जवाहर नवोदय विद्यालय में अव्यवस्थाओं से नाराज 10वीं से 12वीं तक के 95 छात्रों ने हॉस्टल में खुद को बंद कर लिया और भूख हड़ताल शुरू कर दी। छात्रों के भूख हड़ताल करने की जानकारी पर एसडीएम सदर, डीआईओएस, सीओ सिटी विद्यालय पहुंची और छात्रों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन प्रधानाचार्य को हटाने और अव्यवस्थाओं को दूर कराने के लिए डीएम से बात करने पर अड़े रहे। ˙कक्षा छह से लेकर 12वीं तक 550 छात्र अध्ययनरत हैं। छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग हॉस्टल बने हुए हैं। गुरुवार सुबह 10वीं से 12वीं तक के छात्रों नाश्ता लेने से इन्कार कर दिया और 95 छात्रों ने एकत्र होकर हॉस्टल बंद कर भूख हड़ताल शुरू कर दी।

Why do some people experience frequent urinary tract infections? Is this a sign of a serious illness?

If you experience frequent UTIs, it shouldn't be ignored, as repeated infections can reach the kidneys and cause serious complications. Burning sensations during urination, frequent urges to urinate, or lower abdominal pain are all common symptoms of a urinary tract infection (UTI). Do you often experience burning sensations during urination, frequent urges to urinate, and persistent lower abdominal pain? If so, be aware that these could be symptoms of a urinary tract infection (UTI). Medical reports show that most people experience a UTI at some point in their lives, but for some, the problem recurs repeatedly. UTIs are generally considered a problem for women, but they can also affect men. Doctors say that a person experiencing two or more UTIs in six months is considered a recurrent UTI. This problem is more common in women than in men because their urethra is shorter. This allows bacteria to easily reach the bladder. Furthermore, the elderly, diabetics, and pregnant women are at increased risk. So, are you also frequently troubled by this problem? First, understand why UTIs occur. Doctors say that the most common cause of UTIs is infection with E. coli bacteria, which are normally found in the intestines. When it reaches the urinary tract, it can cause infection. This bacteria accounts for approximately 80-90 percent of UTI cases. If UTIs recur, it should not be ignored, as repeated infections can spread to the kidneys and cause serious complications. Let's understand why some people experience this problem repeatedly. Is lack of water the cause? People who drink very little water throughout the day or hold urine for long periods of time are at increased risk of infection. Consuming adequate fluids promotes frequent urination, which helps flush out bacteria. Drinking less water reduces urine production, and bacteria can remain in the bladder for longer. Drinking at least 2-3 liters of water daily can reduce your risk. Frequent high blood sugar is harmful: Diabetes increases glucose levels in both blood and urine. Excessive glucose can promote bacterial growth. Diabetes also weakens the body's immune system, reducing its ability to fight infection. This is why blood sugar testing is considered important in patients with frequent UTIs. Diabetics should be cautious about UTIs. Also, know these reasons: Poor genital hygiene in women can also transmit bacteria to the urethra. Not wearing clean undergarments and wearing wet clothes for long periods of time can increase the risk of infection. An enlarged prostate, kidney stones, neurological diseases, or impaired bladder function can also contribute to frequent UTIs in many people. Decreasing estrogen levels after menopause can weaken the natural defenses of the vagina and urethra, increasing the risk of UTIs. In some women, bacteria can also enter the urethra after sex.

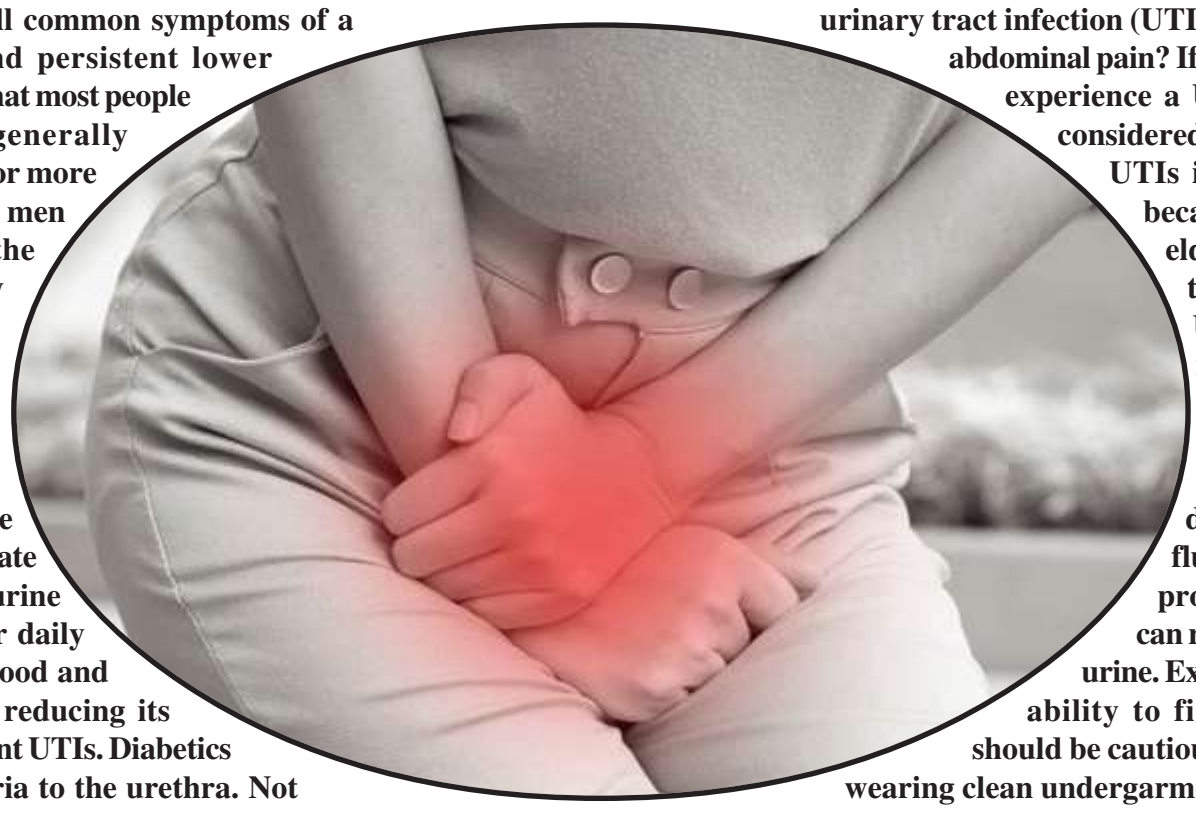

Shortness of breath isn't just a lung problem; it can also be a sign of heart disease; know when to be cautious.

Shortness of breath isn't always caused by the lungs. In many cases, it can also be an early sign of serious heart disease. This is why persistent shortness of breath, or without any apparent reason, shouldn't be taken lightly. Do you also think that shortness of breath is only a problem associated with aging? If so, be careful; this problem is also seen in younger people. Health experts say that shortness of breath while climbing stairs or panting after walking a short distance is often ignored, considering it a normal aging or lung problem. However, according to doctors, shortness of breath isn't always caused by the lungs. In many cases, it can also be an early sign of serious heart disease. This is why persistent shortness of breath, or without any apparent reason, shouldn't be taken lightly. Medically, shortness of breath is called dyspnea. When the body doesn't get enough oxygen as needed, you may experience shortness of breath. Under normal circumstances, it's natural to experience shortness of breath for a short time after exercise, running, or heavy work. However, if you suddenly experience shortness of breath while resting, walking a short distance, or at night, it could be a sign of a medical condition. Let's understand when you should be alert for breathing problems. First, let's understand why shortness of breath occurs. Shortness of breath isn't a disease; it's a sign of the body's lack of adequate oxygen. Under normal circumstances, it's natural to experience shortness of breath when running fast, exercising hard, or traveling to high altitudes. The lungs, heart, blood, and muscles work together in the process of breathing. The lungs deliver oxygen to the blood, red blood cells carry it throughout the body, and the heart pumps this blood. A malfunction in any of these systems can lead to insufficient oxygen, leading to difficulty breathing. Shortness of breath can also occur in heart disease. The heart and lungs work together to supply oxygen to the body. If the heart's pumping capacity decreases or insufficient blood reaches the heart, the body's oxygen needs are not met. This causes shortness of breath. Coronary artery disease also causes shortness of breath. Cholesterol and fat accumulate in the arteries supplying blood to the heart. This narrows the arteries, preventing adequate oxygen from reaching the heart muscle. Similarly, heart valve disease can also cause this problem. The heart has four valves that ensure blood flows in the right direction. If any of these valves narrows or closes incorrectly, the heart has to work harder to pump blood. This can also cause shortness of breath. Breathing problems in asthma and COPD: Asthma is a chronic inflammatory disease in which the lung tubes become narrowed and inflamed. This affects airflow, making breathing difficult. Asthma patients may experience shortness of breath along with wheezing, persistent coughing, and chest tightness. These problems are exacerbated by dust, smoke, pollen, cold air, viral infections, and allergies. Similarly, in chronic obstructive pulmonary disease (COPD), the airways become narrowed, and lung capacity gradually decreases. Patients with this condition experience persistent shortness of breath, prolonged coughing, mucus production, and fatigue even with mild physical activity. Also, know these causes of shortness of breath: Anemia reduces the amount of hemoglobin in the body. Hemoglobin's function is to transport oxygen from the lungs to various parts of the body. When this deficiency occurs, sufficient oxygen is not delivered, and the body begins to breathe faster to compensate. People with anemia experience shortness of breath even with a little walking, climbing stairs, or performing normal activities. In pulmonary embolism, a blood clot formed in a vein in one part of the body breaks off and reaches the arteries of the lungs, blocking blood flow. Due to this, problems like shortness of breath, severe chest pain, increased heartbeat etc. can occur.

Children are most at risk from Chandipura virus. Learn what to do immediately if infected.

During the monsoon season, Chandipura virus is once again causing concern in India. Learn why this virus is so dangerous, how it spreads, and why it affects children more. In the past few months, reports of Chandipura virus infection have caused a stir in many states across the country. The recent deaths of approximately 22 children in Gujarat due to Chandipura infection have once again alerted people. In a report published in Amar Ujala, we reported on the deaths of children in Dungarpur and Sirohi districts of Rajasthan in the last weeks of July. Earlier, in early July, cases of infection and the deaths of three children were reported in Gujarat. It is worth noting that Chandipura is not a new virus; it was first identified in Maharashtra in 1965. Cases have been reported from time to time in Gujarat, Maharashtra, Andhra Pradesh, and several states in western and central India. This virus is primarily spread through the bite of an infected sandfly. High humidity and dirt during the rainy season create a favorable environment for sandflies to thrive. Experts believe that this is why cases of this infection are seen more frequently during the monsoon season. Let's find out what to do if someone becomes infected with sandflies. Sandflies can be dangerous. Health experts say that children are most at risk from sandflies. In severe cases, it can increase the risk of encephalitis. Health experts advise everyone in affected areas to be cautious about this infection. The virus enters the body after an infected insect bite and can multiply rapidly. Brain swelling due to the infection can affect breathing and other vital functions. If timely treatment is not received, the risk of death can also increase, so it is considered a medical emergency. Why are children most vulnerable? Intensive care doctor Vikram Singh says, "Kutcha houses with cracked walls, garbage accumulated around houses, keeping animals close to the house, and poor sanitation increase the risk of Chandipura virus infection. Until these environmental conditions improve, seasonal outbreaks of the virus will continue to occur during the monsoon season." Chandipura infection primarily affects children. Children's immune systems are not fully developed. Therefore, the virus multiplies rapidly in their bodies and can cause serious infections. Furthermore, children spend more time playing outside than adults, increasing their risk of exposure to sandflies. Malnutrition, living in crowded homes, and lack of timely medical care also increase the risk of serious illness in children in many affected areas. How to know if you have been infected with Chandipura virus? Doctors say that the symptoms of Chandipura virus initially appear similar to those of a common viral infection. Patients may complain of high fever, headache, weakness, and vomiting. But over time, when the virus begins to affect the brain, the illness can suddenly become severe. In this situation, patients may experience high fever, frequent vomiting, headaches, seizures, and fainting, confusion, lethargy, and body stiffness. If a child experiences seizures or frequent fainting, along with a high fever, it should not be treated at home as a normal viral fever. This could be a medical emergency. What to do if infected? If a child or person exhibits symptoms similar to Chandipura virus, rush them to the hospital immediately. Since there is no specific antiviral medication or vaccine available for this infection, doctors strive to treat the symptoms and complications caused by the infection. The patient's breathing, blood pressure, body hydration, and brain condition are constantly monitored. Timely hospitalization is considered the most effective way to reduce the risk of complications and death due to infection. Doctors say that taking precautions against sandflies and other insects is crucial to reducing the risk of infection.

Amitabh Bachchan works nonstop at 83; Big B works 24-hour shift

83-year-old Amitabh Bachchan completed a long 24-hour shift for the upcoming season of "Kaun Banega Crorepati." At 83, veteran actor Amitabh Bachchan's dedication to work would leave many younger actors in awe. He recently completed a long and grueling 24-hour shift while shooting for the upcoming season of "Kaun Banega Crorepati." The actor explained that he started shooting at 7 a.m. and finished at 7 a.m. the next day. He said the schedule couldn't be postponed because the show's premiere date had already been announced. On his blog, Big B gave fans a glimpse into his busy schedule and explained why he decided to continue shooting without a break. He wrote, "I finished work at 7 a.m. today, which started at 7 a.m. yesterday." But it was important to release it at the right time, so I did it." The actor further said that the launch date of "Kaun Banega Crorepati 18" has been finalized, so there was no room for delay. He also jokingly said that if he had skipped shooting, he could have lost his hosting job. What is the theme of the new season? Kaun Banega Crorepati Season 18 will air on Sony TV from August 10th this month at 9 pm. Big B will return as host and the theme of the new season will be "Soochna Paega." This season is based on the idea that in today's era when information is available to everyone, the real benefit lies in how you understand, connect, and use it.

"Don't get embroiled in a protracted legal dispute..." The Supreme Court hopes the Rani-Priya Kapoor dispute will be resolved through mutual consent.

The Supreme Court has expressed hope that the family trust dispute between late businessman Sanjay Kapoor's mother, Rani Kapoor, and Priya Kapoor, can be resolved through mutual consent. It advised both parties to avoid a protracted legal dispute. The Supreme Court on Thursday expressed hope that the ongoing dispute over the family trust between late industrialist Sanjay Kapoor's mother, Rani Kapoor, and his wife, Priya Kapoor, can be resolved through mutual consent. The apex court said that the mediation process is progressing satisfactorily. Justices J.B. Pardiwala and K.K. The bench headed by Vinod Chandran took cognizance of the preliminary mediation report filed by mediator and former Chief Justice DY Chandrachud and said, "So far, the mediation proceedings have taken place in six sessions. The mediator has spoken to all the family members. We are happy that the mediation is progressing satisfactorily and all parties are cooperating." The apex court also noted that the mediator had requested an extension until November 2 for the mediation. The bench said, "All parties should approach the mediator with an open mind and ensure that they do not get embroiled in a protracted legal dispute. Let the mediation proceed; we will wait for another report. If the mediation fails, you will all be allowed to proceed as per the law, but let that day not come." The mediator's fees will be paid from the family trust. It also directed that the mediator's fees will be paid from the RK Family Trust and there will be no further debate in this regard. It is noteworthy that on April 27, the apex court had sought responses from Priya Kapoor and others on the suit filed by 80-year-old Rani Kapoor. In this, a demand was made to give instructions to declare the family RK Trust as "null and void". Sanjay Kapoor's mother Rani Kapoor, in her petition, had demanded from the court that Priya Kapoor and other parties should not be allowed to interfere in the work of RK Family Trust till the mediation proceedings initiated by the court are pending.

The loyalty of the voiceless 'Oscar' outweighs human greed. Is 'Oh My Dog' worth watching?

Amit Rai's "Oh My Dog" has been released in theaters. Read the review before watching the film. "Oh My God!" is usually uttered when there is extreme surprise, joy, fear, shock, or disbelief. However, when a dog risks its life to save a human, it's fitting to say "Oh My Dog." Here, too, a dog risks its life to save its owner. After directing "OMG 2," Amit Rai beautifully captures this emotional bond between humans and dogs in "Oh My Dog." What is the story of "Oh My Dog"? Two stories run parallel. Although their concerns and emotions are similar, their paths do not intersect. The story begins with the state funeral of the dog commander in Mumbai. He has participated in over twenty dangerous missions, six intelligence operations, and numerous daring missions. From there, the story shifts to two different states. The first story takes place in Assam, where Appu's (Mahi Rai) dog, Momo (Oscar), suddenly goes missing. Appu is extremely intelligent and tech-savvy. Appu's mother (Geeta Agarwal) treats Momo like a son. The second story takes place in Patna, where Masterji (Pankaj Tripathi) teaches underprivileged children. His student and daily-wage laborer, Prince (Nikhil Kumar), goes missing. Both parties file police reports. It is then revealed that Prince has been kidnapped for kidney removal, while a case of dog trafficking emerges in Assam. His pet dog, Oscar (Bruno), his family, and Masterji join forces to search for Prince. Meanwhile, Appu enlists the help of his teacher (Sulakshana Barua) to find Momo. The story revolves around whether the two will succeed in their search. The film explores selfless love: Films like "77 Charlie," "Entertainment," and "Teri Mehbaaniyan" have all centered on dogs. "Oh My Dog" also deeply explores a dog's loyalty and selfless love for its owner. It also exposes the greedy side of humans, willing to go to any lengths for money. Amit Rai's heart-touching direction and screenplay explores numerous issues, including the divide between rich and poor, kidney theft gangs, dog trafficking, and police corruption. While a dog searches for its owner, a boy searches for his missing dog. He has beautifully intertwined these two stories. Momo is Amit's pet dog, while Appu is his young son. Although the story moves slowly at first, it picks up speed as the search intensifies. When the police make Oscar run around the ghat, the helplessness of the mute animal is heartbreaking. Oscar's role is quite impressive, while the other dog, Momo, is less prominent in the story. Oscar's loyalty and devotion to his owner is strongly portrayed. However, at times, this sentiment seems overly idealistic. Appu's knowledge of apps and his ability to further his search demonstrates the film's effective use of technology. Where did the mistake happen? - But some questions remain unanswered. Teacherji's uncle (Pawan Malhotra) hasn't spoken to his sister in twenty years, yet how is he in contact with his niece? This is unclear. The kidney removal episode at the hospital is also very superficial. However, the writer-director seems to be in a hurry to reach the climax. How is the film's background music and sound? - Most of the film was shot on real locations. Sound designer Subhash Sahu has effectively utilized various sounds such as dogs barking, people's voices, police sirens, and conch shells. Mangesh Dhakade's background music plays a crucial role in conveying the story's emotions to the audience. The cast is excellent: Pankaj Tripathi, Rajesh Kumar, Pawan Malhotra, Geeta Agarwal, and all the supporting actors do justice to their roles. Mahi Rai as Appu and Sulakshana Barua as the teacher are impressive. Overall, the film conveys a meaningful message of compassion, sensitivity, and understanding of dogs' emotions.